दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 211/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14
भोपाल, रविवार 02 मार्च 2025 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

भारत पहले करेगा बल्लेबाजी

दुबई। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में रविवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच लीग चरण का आखिरी मुकाबला खेला जा रहा है। न्यूजीलैंड के कप्तान

मिचेल सैंटनर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करेगी। दोनों टीमों ने एक-एक बदलाव किए हैं। ग्रुप ए से भारत और न्यूजीलैंड की टीमें सेमीफाइनल में जगह बना चुकी हैं।

गुजरात दौरे पर प्रधानमंत्री मोदी वनतारा पहुंचे

पशु संरक्षण केंद्र का दौरा किया सोमनाथ मंदिर में करेंगे पूजा-अर्चना

जामनगर। गुजरात के तीन दिवसीय दौरे पर शनिवार शाम जामनगर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार सुबह रिलायंस रिफाइनरी परिसर स्थित वनतारा पहुंचे हैं। दोपहर बाद यहां से वे सोमनाथ महादेव का दर्शन करने हेलिकॉप्टर से सोमनाथ जाएंगे। शाम को वे सासण गिर जाएंगे, जहां रात्रि विश्राम के बाद सोमवार सुबह राजकोट जाएंगे और यहां से वे दिल्ली के लिए रवाना होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार दोपहर सोमनाथ महादेव का दर्शन करने के बाद मंदिर के ट्रस्टियों के साथ विकास कार्यों की चर्चा करेंगे। वे 27 करोड़रुपये की लागत से तैयार हाट बाजार और शॉपिंग सेंटर का लोकार्पण करेंगे। वे सोमनाथ मॉडल बस स्टैंड का भूमिपूजन करेंगे। इससे पहले शनिवार को तीन दिवसीय दौरे पर गुजरात पहुंचे प्रधानमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। जामनगर एयरपोर्ट से पायलट बंगला तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का रोड शो आयोजित किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए आतुरता के साथ सड़क के दोनों किनारे खड़े रहे। प्रधानमंत्री शनिवार रात जामनगर सर्किट हाउस में विश्राम के बाद रविवार सुबह रिलायंस रिफाइनरी परिसर में स्थित वनतारा पहुंचे हैं। रिलायन्स इंडस्ट्रीज और रिलायंस फाउंडेशन की ओर से अनंत अंबानी के ड्रीम प्रोजेक्ट वनतारा (स्टार ऑफ फॉरेस्ट प्रोग्राम) लॉन्च किया गया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने रमजान शुरू होने पर लोगों को बधाई दी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को रमजान के महीने की शुरुआत होने पर लोगों को बधाई दी। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''रमजान का पवित्र महीना शुरू हो रहा है। कामना है कि यह हमारे समाज में शांति और सद्भाव लाए।'' उन्होंने कहा, ''यह पवित्र महीना चिंतन, कृतज्ञता एवं समर्पण का प्रतीक है और यह हमें करुणा, दया एवं सेवा के मूल्यों की याद दिलाता है। रमजान मुबारक। रमजान का पाक महीना शुरू हो गया है और मुस्लिम समुदाय के लोग इसे लेकर काफी ज्यादा उत्साहित नजर आ रहे हैं। रमजान शुरू होने के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को इसकी शुभकामनाएं दी है।

सांध्यप्रकाश विशेष

जीएसटी से भर गया सरकार का खजाना, इतना हुआ कलेक्शन

नई दिल्ली। फरवरी में जीएसटी कलेक्शन में उछाल देखने को मिला है। इस साल फरवरी में जीएसटी संग्रह 1,83, 646 करोड़ रहा है जो पिछले साल के समान महीने के मुकाबले 9.1 प्रतिशत अधिक है। जीएसटी संग्रह में लगातार बढ़ोतरी वस्तुओं में बिक्री में वृद्धि को दर्शाता है, जो अर्थव्यवस्था के लिए अच्छे संकेत हैं। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान अब तक जीएसटी संग्रह में गत वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 9.4 प्रतिशत का इजाफा रहा। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल 2024 से फरवरी 2025 का कुल जीएसटी संग्रह 20,12,720 करोड़ रुपए रहा। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इस साल फरवरी में जीएसटी संग्रह में एसजीएसटी की हिस्सेदारी 43,704 करोड़, सीजीएसटी की 35,204 करोड़ तो आईजीएसटी की हिस्सेदारी 90,870 करोड़ रुपए रही है। सेस के मद में 13,868 करोड़ रुपए वसूले गए हैं। फरवरी के दौरान 20,889 करोड़ रुपए का रिफंड जारी किया गया है। इसमें पिछले वर्ष फरवरी के मुकाबले 17.3 प्रतिशत की वृद्धि रही है। इस प्रकार पिछले महीने शुद्ध जीएसटी संग्रह 8.1 प्रतिशत बढ़कर 1.63 लाख करोड़ रुपए रहा है।

केंद्र में वरिष्ठ आईएएस अजय सेठ को राजस्व विभाग के सचिव का अतिरिक्त प्रभार मिला

नई दिल्ली। भारतीय प्रशासनिक सेवा में कर्नाटक कैडर के 1987 बैच के ब्रूस अधिकारी अजय सेठ जो वर्तमान में आर्थिक मामलों के विभाग में सचिव के रूप में कार्यरत हैं, को राजस्व विभाग के सचिव का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) द्वारा जारी आदेश के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी ने तुहिन कांता पांडे द्वारा पद त्यागने के बाद सेठ को अतिरिक्त प्रभार सौंपने को मंजूरी दे दी है । अजय सेठ नियमित नियुक्ति या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, पद का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे। उल्लेखनीय है कि 27 फरवरी को पांडे को सेबी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था, उन्होंने माधवी पुरी बुच का स्थान लिया था, जिन्होंने 28 फरवरी को अपना तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा कर लिया था। यह दूसरी बार है जब अजय सेठ को राजस्व सचिव का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। 10 दिसंबर, 2024 को उन्हें यह पदभार सौंपा गया था, जब तत्कालीन राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा को शक्तिकांत दास के स्थान पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का 26वां गवर्नर नियुक्त किया गया था।

किसान हितैषी नीतियों के क्रियान्वयन पर किसानों ने किया सीएम का आभार व्यक्त

मुख्यमंत्री ने अन्नदाताओं का किया अभिवादन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा लागू किसान हितैषी नीतियों, निर्णयों और योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए प्रदेश के किसान मुख्यमंत्री डॉ यादव का आभार व्यक्त करने मुख्यमंत्री निवास पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने प्रदेश के कोने-कोने से उनका आभार व्यक्त करने मुख्यमंत्री निवास आए किसानों का पुष्प वर्षा कर स्वागत अभिवादन किया।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।कार्यक्रम में किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एंदल सिंह कंसाना, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ,खेल युवा कल्याण एवं सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग, मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, सांसद श्री वी .डी .शर्मा, सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, नगर निगम भोपाल अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित। कृषकों की ओर से सांसद और किसान मोर्चा अध्यक्ष दर्शन सिंह चौधरी ने समस्त अतिथिगण को स्मृति चिन्ह के रूप में राम दरबार भेंट किया।मुख्यमंत्री डॉ यादव का कृषकों ने साफा और गज माला पहनाकर तथा शाल -श्रीफल और प्रतीक चिन्ह के रूप में बैलगाड़ी तथा हल की प्रतिकृति भेंट कर अभिवादन किया। मुख्यमंत्री निवास में किसान आभार सम्मेलन के अवसर पर ऊर्जा ,उद्यानिकी, खाद्य नागरिक आपूर्ति ,किसान कल्याण और कृषि विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों पर केंद्रित प्रदर्शनी लगाई गई।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से तमिलनाडु के पुलिस महानिदेशक शैलेश यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में सौजन्य भेंट की।

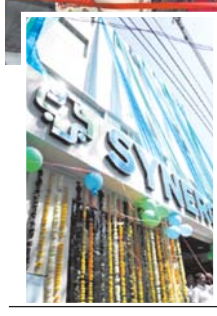

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने साकेत नगर भोपाल में आरंभ हुए सिनर्जी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का गणेश पूजन उपरांत दीप प्रज्वलित कर तथा रिबन खोलकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर मंत्री कृष्णा गौर, अस्पताल के संस्थापक डा. निवेश सेहरा उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने कोलार रोड क्षेत्र में मानसरोवर डेंटल कॉलेज के पास इस्कॉन द्वारा बनाए जा रहे श्री श्री राधा गोविंद मंदिर का भूमि पूजन कर आधारशिला रखी । इस अवसर पर सेज ग्रुप के सीएमडी संजीव अग्रवाल, विधायक रामेश्वर शर्मा भी मौजूद रहे।

राष्ट्रपति ट्रंप की सुरक्षा में चूक, घर के ऊपर से गुजरे 3 विमान को एफ-16 ने खदेड़ा

फ्लोरिडा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फ्लोरिडा स्थित नो फ्लाइंग जोन रिजॉर्ट के ऊपर 3 जहाजों को उड़ता हुआ देखा गया, जिसके बाद अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियां तुरंत एक्टिव हो गईं। ये विमान

ट्रंप के रिजॉर्ट के ऊपर से होकर गुजरे। इसके बाद तुरंत अमेरिकी एयरोस्पेस रक्षा कमान (नोराड) ने एफ-16 विमानों को वहां भेजा। एफ-16 विमानों ने तीनों विमानों को नो फ्लाइंग जोन से खदेड़ दिया। रिपोर्ट के मुताबिक फाइटर जेट ने फ्लेयर्स तैनात कर 3 सिविलियन विमानों को इलाके से बाहर निकाला। इन 3 नागरिक विमानों ने कथित तौर पर राष्ट्रपति ट्रंप के मार-ए-लागो रिजॉर्ट के उपर एयर स्पेस का उल्लंघन किया था।

नेतन्याहू ने युद्धविराम बढ़ाने की दी मंजूरी, रमजान और पासओवर के चलते लिया फैसला

नई दिल्ली। इसराइल के प्रधानमंत्री बिन्यामिन नेतन्याहू ने गजा में युद्धविराम समझौते को अस्थाई रूप से बढ़ाने का फैसला किया है। यह प्रस्ताव अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्य पूर्व दूत स्टीव

विटकोफ़ ने पेश किया था। नेतन्याहू ने कहा कि रमज़ान और यहूदी पासओवर को ध्यान में रखते हुए सरकार ने ग़ज़ा में युद्धविराम को अगले छह हफ्तों के लिए बढ़ाने की मंजूरी दी है। यह घोषणा शनिवार मध्यरात्रि को युद्धविराम के पहले चरण की समाप्ति के तुरंत बाद हुई। विटकोफ़ के नए प्रस्ताव के अनुसार, यदि इसराइल को लगता है कि दूसरे चरण की बातचीत असफल रही, तो वह 42 दिनों बाद फिर से हमले शुरू कर सकता है।

नड्डा ने विधायकों की पाठशाला में कहा जनता की सेवा को ही प्राथमिकता बनाएं

कटरा। जम्मू कश्मीर के कटरा में भाजपा की विधायक प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन नेतृत्व, शासन और जनता से सीधे संपर्क को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने निर्वाचित विधायकों को अपने क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देने और जनता से जुड़ने का संदेश दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि विधायक सिर्फ पद की महत्ता में न उलझें बल्कि जनता की सेवा को ही अपनी प्राथमिकता बनाएं। नड्डा ने कार्यकर्ता निर्माण की

अहमियत पर जोर देते हुए कहा कि राजनीतिक पद अस्थायी होते हैं। लेकिन जनता का विश्वास स्थायी होता है। उन्होंने विधायकों को सुझाव दिया कि वे कृषि विज्ञान केंद्रों आशा कार्यकर्ताओं की बैठकों और सरकारी स्कूलों में अभिभावक शिक्षक सभाओं में भाग लेकर समाज से गहराई से जुड़ें, साथ ही अनुसूचित जाति और जनजाति समुदायों के इलाकों में नियमित दौरा कर उनकी समस्याओं को समझने और समाधान निकालने पर ध्यान देने की बात कही।

ट्रम्प से बहस के बाद जेलेंस्की का ब्रिटेन में स्वागत

पीएम ने गले लगाया, कहा- हम आपके साथ; सड़कों पर यूक्रेन के सपोर्ट में आए लोग

लंदन। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की आज यानी रविवार को लंदन में यूरोपीय देशों की एक समिट में शामिल होंगे। शनिवार को इंग्लैंड पहुंचने पर ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने जेलेंस्की का गले लगाकर स्वागत किया। सड़कों पर लोगों ने जोरदार नारों के साथ जेलेंस्की का स्वागत किया गया। स्टार्मर ने जेलेंस्की से कहा कि आपको पूरे ब्रिटेन का सपोर्ट हासिल है। हम आपके और यूक्रेन के साथ खड़े हैं, भले ही इसमें कितना भी वक्त क्यों न लग जाए। जेलेंस्की ने इस सपोर्ट के लिए उनका शुक्रिया अदा किया। लंदन में आज यूरोपीय देशों की एक समिट होनी है। इस समिट में फ्रांस, जर्मनी, डेनमार्क, इटली समेत 13 देश शामिल होंगे।

दिल्ली में 8 मार्च को ही महिलाओं के खाते में पैसे भेज सकती है सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आठ मार्च को महिला सम्मान योजना की शुरुआत कर सकती है। उसी दिन कुछ महिलाओं के खाते में पैसे भी ट्रांसफर किए जा सकते हैं। भाजपा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान अपने घोषणा पत्र में योजना के तहत महिलाओं को ढाई हजार रुपये प्रतिमाह देने का वादा किया था। आठ मार्च को इस योजना के लिए महिलाओं के

पंजीकरण की शुरुआत के साथ कुछ महिलाओं को यह राशि जारी भी की जा सकती है। हालांकि, दिल्ली सरकार की ओर से अभी तक इसपर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। दिल्ली सरकार 8 मार्च को इस योजना को लेकर एक बड़ा आयोजन दिल्ली में करने की योजना बना रही है। इस दौरान भाजपा का शीर्ष नेतृत्व भी मौजूद रह सकता है।

मार्च में छुट्टियां ही छुट्टियां, 1 दिन की लीव में 3 अवकाश

भोपाल। मार्च में सरकारी छुट्टियों की भरमार रहेगी। इस महीने में कुल 10 दिन अवकाश रहेगा, जिसमें होली, जुमातुल विदा, गुड़ी पड़वा और ईद-उल-फितर जैसे बड़े त्योहार शामिल हैं। इसके अलावा, महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को भी बैंक और कई सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे। 14 मार्च को होली का सार्वजनिक अवकाश रहेगा। 15 मार्च को शनिवार होने के कारण बैंक और कुछ दफ्तर बंद रहेंगे, और 16 मार्च को

रविवार की छुट्टी मिलेगी। इस तरह, लोग लगातार 3 दिनों का अवकाश लेकर घूमने या परिवार के साथ त्योहार मनाने का आनंद उठा सकते हैं। मार्च 2025 में बैंक और सरकारी दफ्तरों की कई छुट्टियां रहेंगी। रविवार की छुट्टियों के कारण बैंक 2, 9, 16, 23 और 30 मार्च को बंद रहेंगे। दूसरे और चौथे शनिवार की वजह से बैंक 8 और 22 मार्च को भी बंद रहेंगे। 14 मार्च को होली की छुट्टी रहेगी। 28 मार्च को जुमातुल विदा के अवसर पर अवकाश रहेगा। 30 मार्च को गुड़ी पड़वा का पर्व रविवार को पड़ेगा, जिससे इस दिन पहले से ही अवकाश रहेगा। 31 मार्च को ईद-उल-फितर मनाई जाएगी, जिसके कारण कई कार्यालय और बैंक बंद रहेंगे। हालांकि, इन सभी छुट्टियों के दौरान ऑनलाइन बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध रहेंगी, जिससे ग्राहक डिजिटल लेन-देन कर सकेंगे। इन छुट्टियों के दौरान स्कूलों और कई सरकारी कार्यालयों में भी अवकाश रहेगा, जिससे आप परिवार के साथ त्योहारों का आनंद उठा सकेंगे।

उत्तराखंड में बर्फबारी से जनजीवन अस्त व्यस्त, दिल्ली का भी मिजाज बदला

दिल्ली में चलेगी तेज हवा, आज शाम तक हो सकती है बारिश, तमिलनाडु के अलग-अलग हिस्सों में रात से ही भारी बारिश हो रही है

नई दिल्ली। मौसम ने उत्तर भारत में एक बार फिर करवट ली है। पहाड़ी राज्यों का मौसम पूरी तरह बदला हुआ है। आईएमडी ने हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और बिहार के कई जिलों में बारिश का अनुमान लगाया है। इसके साथ ही कुछ राज्यों में ओलावृष्टि की संभावना है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में एक बार फिर बर्फबारी ने जनजीवन अस्त व्यस्त कर दिया है। मौसम विभाग ने पहाड़ों पर आज भी बर्फबारी की संभावना जताई है।

तमिलनाडु में हो रही बारिश- तमिलनाडु के अलग-अलग हिस्सों में रात से ही भारी बारिश हो रही है। दिल्ली-एनसीआर में बारिश की संभावना है। आईएमडी के मुताबिक, दिल्ली में रविवार को तेज हवा चल सकती है। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से मौसम का मिजाज बदल चुका है। हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड की वर्षा ने यूपी के मौसम पर भी अपना असर छोड़ा है।

प्रदेश का बदला मौसम देर रात मुरैना में बारिश के साथ गिरे ओले, मार्च महीने में तेज गर्मी-लू का अलर्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश के मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात मुरैना में बारिश के साथ चने के आकार के ओले भी गिरे। जिससे सुमावली, दिमनी, अंबाह विधानसभा क्षेत्रों के मृगपुरा, लीला का पुरा, मैथाना, हंसराज का पुरा, बंधा, नायक पुरा और अजीत पुरा समेत कई गांवों में फसलें प्रभावित हुई हैं। इसके साथ ही एमपी में मार्च महीने में तेज गर्मी, लू, बादल और हल्की बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। अलर्ट के अनुसार पहले सप्ताह में बादल छाएंगे। वहीं, चौथे सप्ताह में लू चलेगी। इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल, सागर और रीवा संभाग में 3 से 4 दिन लू चल सकती है। 20 मार्च के बाद कुछ जिलों में हल्की बारिश होने के आसार भी हैं।

परमार भारत के पुनरुत्थान के लिए सहयोगात्मक अनुसंधान की पहल विषय पर राष्ट्रीय शोधार्थी समागम

कृतज्ञता का भाव ही भारत की सभ्यता और विरासत है: परमार

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

कृतज्ञता का भाव, भारत की सभ्यता एवं विरासत है और भारतीय ज्ञान परम्परा का अभिन्न अंग है। हमारे पूर्वजों ने प्रकृति, नदियों एवं सूर्य सहित समस्त ऊर्जा स्रोतों के संरक्षण के लिए, कृतज्ञता भाव से समृद्ध परम्पराओं को स्थापित किया था। भारत का ज्ञान, ज्ञान परम्परा एवं मान्यता के रूप में भारतीय समाज में सर्वत्र विद्यमान है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण के आधार पर, भारतीय समाज में परंपराएं एवं मान्यताएं स्थापित हुई हैं। हर विधा-हर क्षेत्र में विद्यमान भारतीय ज्ञान को युगानुकुल परिप्रेक्ष्य में नए सन्दर्भों में, पुन: शोध एवं अनुसंधान कर वर्तमान वैश्विक आवश्यकतानुरूप दस्तावेजीकरण करने की आवश्यकता है। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने शनिवार को दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान भोपाल के तत्वावधान में मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के डॉ. जगदीश चंद्र बसु सभागृह में आयोजित भारत के पुनरुत्थान के लिए सहयोगात्मक अनुसंधान की पहल विषयक तीन दिवसीय राष्ट्रीय शोधार्थी समागम के शुभारंभ सत्र में कही। मंत्री परमार ने कहा कि शोधार्थियों को समाज के प्रश्नों का समाधानकारक शोध करने की आवश्यकता है। शोधार्थियों के शोध का प्रभाव, समाज के दृष्टि पटल पर परिलक्षित होना चाहिए। उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने राष्ट्रीय शोधार्थी समागम के आयोजन एवं सफलता के लिए आयोजकों एवं सहभागियों को शुभकामनाएं दीं। परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसरण में भारत केंद्रित शिक्षा के लिए यह समागम उपयोगी होगा। यह समागम, प्रदेश के समस्त उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध एवं अनुसंधान के लिए अभिप्रेरक बनेगा। परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शोधार्थी समागम भारतीय दृष्टि से शोध एवं अनुसंधान की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा। परमार ने कहा कि स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 तक विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में भारत केंद्रित शिक्षा की महती भूमिका होगी। भारत को विश्व मंच पर पुन: सिरमौर बनाने के लिए सभी की सहभागिता आवश्यक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सारस्वत अतिथि सिद्धपीठ हनुमन निवास अयोध्या धाम के पीठाधीश्वर आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा, अतीत के कालखंडों में गुरुकुल शिक्षा पद्धति के नष्ट किए जाने से विलोपित हुई है। गुरुकुल शिक्षा पद्धति में पहली कक्षा से ही शोध किया जाना प्रारंभ हो जाता था। आचार्य ने कहा कि वेदों में, भारतीय ज्ञान परम्परा विद्यमान है। शोध के लिए मौलिकता की ओर वापस लौटना होगा। आचार्य ने कहा कि राष्ट्र, विचार परम्परा से नहीं बल्कि विश्वास परम्परा से संचालित होता है। शोध के लिए विश्वास परम्परा की ओर लौटने की आवश्यकता है। बीज वक्ता के रूप में प्रखर राष्ट्रवादी विचारक एवं लेखक मुकुल कानिटकर ने कहा कि राष्ट्र पुनर्निर्माण के लिए, श्रेष्ठ व्यक्ति निर्माण आवश्यक है। वास्तव में स्वयं का निर्माण करने वाले ही राष्ट्र पुनर्निर्माण में सहभागिता कर सकते हैं।

पंडित कुंजीलाल दुबे राष्ट्रीय संसदीय विद्यापीठ में हुई वाद-विवाद प्रतियोगिता

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

पंडित कुंजीलाल दुबे राष्ट्रीय संसदीय विद्यापीठ में क्या देश में मतदान करना अनिवार्य होना चाहिए विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी एवं राजेश सिरोठिया वरिष्ठ पत्रकार विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। डॉ. प्रतिमा यादव संचालक संसदीय विद्यापीठ द्वारा विद्यापीठ की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सबनानी द्वारा समसामयिक विषय पर आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता की सराहना करते हुए कहा कि आज के युवाओं में संसदीय ज्ञान का होना आवश्यक है जिससे वह सरकार की कार्यप्रणाली को समझ सकें और देश दुनिया के वर्तमान हालातो से अवगत रहे, आज के युवा इंटरनेट के माध्यम से सारी जानकारी को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं पर उन जानकारी में सही और गलत की पहचान करना आवश्यक है, मतदान के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए अनेको कार्यक्रम किए जाते हैं मतदान करना सभी का राष्ट्रीय कर्तव्य है और सभी को चुनाव के दिन अपना मतदान करके सरकार बनाने में अपनी भूमिका निभाना चाहिए। मैं प्रतियोगिता में सम्मिलित सभी छात्रों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में अजय प्रताप सिंह संयुक्त सचिव एवं एक्जीक्यूटिव एडिटर मध्य प्रदेश प्रेस क्लब डॉ.सीता सोनी प्राध्यापक शासकीय महाविद्यालय गैरतगंज एवं डॉ. प्रतिमा यादव संचालक संसदीय विद्यापीठ उपस्थित रहे।

संत नगर में 5 मार्च से शुरू होगी सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा

संत हिरदाराम नगर। उपनगर में इस माह भक्ति रस की गंगा बहेगी। संत नगर ओल्ड डेरी फार्म ग्राउंड शिव दुर्गा मंदिर प्रांगण में 5 मार्च से 11 मार्च तक सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन होने जा रहा है। आयोजन को लेकर तैयारियां चल रही है। कथा व्यास कान्हा कौशिक महाराज श्रद्धालुओं को कथा का श्रवण करवायेंगे। कथा के प्रथम दिवस सुबह 5 बजे कलश यात्रा निकाली जाएगी जो विभिन्न मार्गो से होती हुई मंदिर प्रांगण पहुंचेगी। जहां पर पहले दिन की कथा प्रारंभ की जाएगी। आयोजक श्री बांके बिहारी सेवा समिति संरक्षक विधायक रामेश्वर शर्मा, जिला उपाध्यक्ष राम बंसल, आयोजन समिति के अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल, संयोजक अजय चक्रवर्ती, मित्र मंडल धीरज विश्वकर्मा, राजा राम वर्मा, हेमंत उपाध्याय सहित कई लोग मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे।

राज्य बाल संरक्षण आयोग की एक दिवसीय कार्यशाला 3 मार्च को मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को मध्यप्रदेश राज्य बाल संरक्षण आयोग की एक दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ करेंगे। सोमवार 3 मार्च 2025 को कुशाभाऊ ठाकरे अन्तर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में बच्चों के शिक्षा के अधिकार, पॉक्सो एवं किशोर न्याय अधिनियम पर आधारित इस कार्यशाला में महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया विशेष रूप से उपस्थित रहेंगी। कार्यशाला में सभी जिलों के महिला बाल विकास, शिक्षा, जनजातीय कल्याण एवं गृह विभाग के अधिकारी, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड एवं सामाजिक संगठनों के सदस्य उपस्थित रहेंगे।

मानस भवन में सनातन हिंदू धर्म सभा का आयोजन आज

संत हिरदाराम नगर। धर्म सुधाकर सेवा समिति के तत्वावधान में पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी 2 मार्च को मानस भवन पॉलिटेक्निक चौराहा पर सनातन हिंदू धर्म सभा का आयोजन होने जा रहा है। कार्यक्रम अध्यक्ष एवं आयोजक आचार्य पंडित योगेंद्र शास्त्री ने बताया कि वर्तमान काल सनातन हिंदू धर्म के जागरण का काल है, इस जागरण के साथ-साथ हम इसके मूल सिद्धांतों को जान सके, समझ सके और आत्मसात कर सकें इसके लिए प्रयास बहुत कम देखने को मिलता है। धर्म सुधाकर सेवा समिति इन्हीं उद्देश्यों को लेकर कार्य कर रही है, और उन्हीं उद्देश्य की एक कड़ी सनातन हिंदू धर्म सभा का आयोजन है। इस आयोजन में देश भर के ख्यातिलब्ध विद्वान सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा रहेंगे।

डॉ. जेपीएम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विकास संस्थान ने जैन नगर लालघाटी में लगाया नि:शुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर

भोपाल। नंदीश्वर दीप जिनालय जैन नगर लालघाटी में डॉ जे पी एम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विकास संस्थान एवं डॉ आयशा हेल्थ मॉल के तत्वाधान मे नि:शुल्क होम्योपैथी शिवर का आयोजन किया गया शिवर में लगभग 130 लोगों ने वीपी, शुगर, की जांच करा कर बीमारी का इलाज करवाया

संस्था के अध्यक्ष डॉ योगेन्द्र मुखरैया ने बताया कि हमारी संस्था मध्य प्रदेश के कई जिले में स्वस्थ, शिक्षा एवं नशा मुक्ति को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है आज संस्था के द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिवर का आयोजन किया जिसमें मध्य प्रदेश के जाने माने होम्योपैथी चिकित्सक डॉ अमितेंदु गिर्दोनिया , डॉ योग्यता ने अपनी सेवा दी

इस अवसर पर होमियोपैथी काउंसिल की रजिस्टार आयशा अली,भारतीय जनता पार्टी जिले के महामंत्री जगदीश यादव, वार्ड नंबर 6 की पार्षद श्रीमति ज्योति यादव मंदिर समिति के सदस्य आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

महामृत्युंजय मंदिर विजय नगर में निकली शिव पार्वती की भव्य शोभायात्रा

संत हिरदाराम नगर। विजय नगर, महामृत्युंजय मंदिर द्वारा बड़े ही धूमधाम से शिव पार्वती की शोभा यात्रा निकाली गई, जिनका जगह-जगह भक्तों द्वारा स्वागत किया गया। इस पावन अवसर पर महामृत्युंजय मंदिर के ट्रस्टी संस्थापक के.एल. श्री माली, संरक्षक श्याम मनोहर अग्रवाल, अध्यक्ष अशोक गुप्ता, महासचिव दिनेश तांतेड़, ट्रस्टी सदस्य गोपाल हरसिंघानी, डॉ रमेश माधव, कुलदीप खरे, शरद खरे कैलाश असुदानी, वी.आर. दुबे, श्याम विजयवर्गीय, राजेंद्र सिंहल, इंद्रदास मेघानी, आलोक पुनिया, मनोज वर्मा और विजय नगर सिंधी उत्थान पंचायत अध्यक्ष कैलाश शर्मा, संरक्षक रमेश भंभानी, अशोक टिलवानी, किशन मूरजानी, वासदेव जेठानी, हीरानंद गनवानी और कैलाश निरंजन धाम मुख्य रूप से उपस्थित थे। मंदिर परिसर में पंडितों ने महाशिवरात्रि की महिमा बताते हुए शिव-पार्वती विवाह सम्पन्न कराया गया जिसमें मुख्य रूप से संध्या गुप्ता और बबीता वर्मा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी।

जिंसी गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन में सफाई मित्रों एवं वाहन चालकों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

भोपाल। नगर निगम द्वारा निगमकर्मियों विशेषकर स्वच्छता संबंधी कार्यों में संलग्न कर्मचारियों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु समय-समय पर शिविरों का आयोजन किया जाकर शिविरों में विभिन्न प्रकार के रोगों की जांच, औषधी वितरण के साथ ही उपचार एवं स्वास्थ्य के संबंध में सलाह दी जा रही है। इसी तारतम्य में शनिवार को जिंसी गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन पर आयोजित स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के प्रथम दिन में 26 सफाई मित्रों एवं वाहन चालकों का स्वास्थ्य परीक्षण डॉ. नुपूर साहू व अन्य चिकित्सकों द्वारा किया गया एवं विभिन्न रोगों की जांच भी की गई। सोमवार, 03 मार्च 2025 को भी जिंसी गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिला मुख्य एवं चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी के माध्यम से स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों के आयोजन के क्रम में जिंसी गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में डॉ. नुपूर साहू सहित अन्य चिकित्सकों व सहयोगी स्टॉफद्वारा 26 सफाई मित्रों एवं वाहन चालकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया एवं विभिन्न रोगों की जांच/स्क्रीनिंग की गई। शिविर में निगमकर्मियों की सुविधा के दृष्टिगत ई-के.वॉय.सी, आभा आई.डी व आयुष्मान कार्ड बनवाने की सुविधा भी दी गई।

मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने भोपाल में 14 छात्राओं को स्कॉलरशिप प्रदान की

भोपाल। अग्रणी भारतीय कारोबारी समूह और मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की पैरेंट कंपनी मलाबार ग्रुप ने भोपाल की छात्राओं को अकादमिक वर्ष 2024-25 के लिए स्कॉलरशिप प्रदान किए. सीएम राइज कमला नेहरू पब्लिक स्कूल में शैक्षणिक छात्रवृति (स्कॉलरशिप) वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. यह शिक्षा के जरिए महिलाओं को सशक्त बनाने के समूह के प्रयासों के क्रम में एक महत्वपूर्ण क्षण था. इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों के साथ-साथ स्थानीय ब्रांच के प्रमुख सहित मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की लीडरशिप टीम, शुभेच्छु, ग्राहक और स्कॉलरशिप प्राप्त करने वाली छात्राएं मौजूद रहीं.इस पहल के बारे में मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एमपी अहमद ने कहा, शिक्षा वह नींव होती है जिससे भविष्य में बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं. युवा छात्राओं की शिक्षा में निवेश के जरिए हम ना सिर्फ उनकी क्षमताओं को उजागर कर रहे हैं बल्कि एक ऐसे समाज का निर्माण कर रहे हैं जहां अवसर, समानता और प्रगति तक हर किसी की पहुंच हो.मलाबार ग्रुप ने अपनी शुरुआत के समय से ही सामाजिक कल्याण से जुड़ी गतिविधियों के जरिए समावेशी विकास को लेकर अपनी मजबूत प्रतिबद्धता दिखाई है.

निगम अमले ने शहर के कई क्षेत्रों से हटाए अतिक्रमण, अवैध झुग्गियों को भी हटाया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों, कॉरीडोर व सार्वजनिक स्थलों आदि से अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध रूप से सड़कों, फुटपाथों, सार्वजनिक स्थलों आदि पर अवैध रूप से लगाये गए ठेले, अस्थाई दुकानें, गुमठी, गन्ने की चरखी, टेंट आदि हटाने की कार्यवाही की साथ ही सुभाष नगर क्षेत्र में अवैध रूप से निर्मित दुकानें व कमरा तोड़ने व सेकेण्ड स्टॉप क्षेत्र में झुग्गियों को हटाने की कार्यवाही की तथा कंडम वाहनों को भी हटाया और ठेले, कैरेड, पाईप, बैग, पान पार्लर, टेबिल आदि जप्त किए। निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने शनिवार को टी.टी.नगर दशहरा मैदान, जहांगीराबाद चरक अस्पताल, मुर्गी बाजार, शब्बन चौराहा, एम.पी.नगर जोन-01 एवं 02, पीरगेट चौकी, दाता कालोनी, एयरपोर्ट रोड, कोलार मंदाकिनी चौराहा, आपूर्ति के सामने, लिंक रोड नं. 01,02 एवं 03, कोटरा, नेहरू नगर, न्यू मार्केट, बेतवा अपार्टमेंट, सेकेण्ड स्टॉप, सुभाष नगर, सुभाष नगर खेल मैदान, इकबाल मैदान, मोती मस्जिद, कोलार डीमार्ट, सर्वधर्म, चूना भट्टी, इंद्रपुरी, जेके रोड आदि क्षेत्रों में अवैध रूप से लगाई गई फ्ल, फरूट आदि की दुकानें, गन्ने की चरखी, गुमठी, कंडम वाहन, टेंट आदि को हटाया।निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने भवन अनुज्ञा शाखा की कार्यवाही में सहयोग करते हुए सुभाष नगर क्षेत्र में अवैध रूप से बनीं 03 दुकानें व 01 कमरा जेसीबी मशीन व श्रमिकों के माध्यम से तोड़ा तथा सेकेण्ड स्टॉप क्षेत्र से 02 झुग्गियां भी हटाई साथ ही शहर की सुन्दरता बिगाड़ने वाले कटआउट भी हटवाने की कार्यवाही की। निगम अमले ने पुन: अतिक्रमण न करने की समझाइश दी साथ ही पुन: अतिक्रमण पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की चेतावनी भी दी।

संस्कार के विद्यार्थियों ने विज्ञान दिवस के आयोजन में प्राप्त किया प्रथम स्थान

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में महान वैज्ञानिक और नोबल पुरस्कार विजेता डॉ. सी. वी. रमन द्वारा खोजे गये रमन प्रभाव के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का दो दिवसीय आयोजन मध्यप्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एवं टेक्नोलॉजी, नेशनल काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी कम्यूनिकेशन नई दिल्ली के सहयोग से किया गया। जिसमें विभिन्न अंतर विद्यालयीन एवं अर्न्तमहाविद्यालयीन प्रतियोगिताएं आयोजित की जिसमें दीपमाला पागारानी संस्कार पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी चिराग मेहरा और सक्षम उदासी ने विज्ञान मॉडल में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि के लिए संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी, कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव, प्राचार्य आर. के. मिश्रा, प्रधानाचार्या मृदुला गौतम, कोर्डिनेटर सीमा शर्मा ने विद्यर्थियों को बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

खेती का रकबा दोगुना करने ऐतिहासिक फैसले ले रही सरकारः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

2024 में उपार्जित धान के लिए मिलेगा 4000 रुपए प्रति हेक्टेयर अतिरिक्त लाभ, मार्च में ही मिल जाएगी राशि

2600 रुपए प्रति क्विंटल में होगा गेहूं का उपार्जन, 2425 एमएसपी और 175 रुपए बोनस इसमें शामिल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार किसानों के हित में निरंतर निर्णय लेती जा रही है। पहले केन बेतवा समेत कई नदी जोड़ो परियोजनाओं पर काम किया गया, जिससे किसानों की खेती और खेती का रकबा मध्यप्रदेश में डबल किया जा सके। मुख्यमंत्री डॉ यादव उज्जैन में मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गेहूं को खरीदने के लिए 2600 रुपए प्रति क्विंटल की राशि न्यूनतम समर्थन मूल्य के रूप में निर्धारित की गई। समर्थन मूल्य के अलावा किसानों को भुगतान के लिए 175 रुपए बोनस देने की व्यवस्था की गई है। इसी तरह राज्य सरकार अब धान उपार्जन के लिए प्रति हेक्टेयर 4000 रुपए की राशि किसानों के खाते में डालने जा रही है। सभी किसान भाइयों के खाते में राशि मार्च में ही राशि अंतरित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिन-जिन किसान भाइयों ने उत्पादित धान का उपार्जन करवाया है और निर्धारित कार्रवाई पूरी की है, उनके खातों में पैसे आने वाले हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार निर्धारित संकल्प पत्र के आधार पर जनता को आवश्यक सुविधा देती जा रही है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान भाइयों को भी उसी प्रकार के आधार पर सौगात दी जा रही है।

सम्राट विक्रमादित्य ने की थी निष्पक्ष और न्यायपूर्ण समाज की स्थापनाः मुख्यमंत्री

भोपाल । भारतीय न्याय व्यावस्था का आरंभ वैदिक काल में हुआ जहाँ सभा और समिति जैसी संस्थाओं के माध्यम से विवादों का निपटारा किया जाता था। सम्राट विक्रमादित्य के समय यह प्रणाली और अधिक सशक्त हुई। हमारे लिए आज भी उनकी न्याय प्रणाली की प्रासंगिकता अत्यंत महत्वपूर्ण है, समय बदल चुका है लेकिन न्याय की अवधारणा वही है जो विक्रमादित्य ने स्थापित की थी। सम्राट विक्रमादित्य ने न्यायपूर्ण, निष्पक्ष और समान समाज की स्थापना की थी। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विक्रमादित्य का न्याय वैचारिक समागम के शुभारंभ अवसर पर कही। मुख्य न्यायाधिपति श्री सुरेश कुमार कैत ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य का शासन व्यवस्था प्रधान था, न कि व्यक्ति प्रधान। विक्रमादित्य का शासन तंत्र न्याय, प्रशासनिक दक्षता और सामाजिक समरसता पर आधारित था। विक्रमादित्य का शासन एक संगठित और सुव्यवस्थित प्रणाली पर आधारित था। सम्राट विक्रमादित्य का न्याय त्वरित और पारदर्शी था। सम्राट विक्रमादित्य को न्याय और सुशासन का प्रतीक भी माना जाता है तथा आज भी सम्राट विक्रमादित्य न्याय की मिसाल दी जाती है। वैचारिक समागम के शुभारंभ सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि उज्जैन की धरा वैभव के साथ ही सम्राट विक्रमादित्य जैसे न्यायप्रिय की भी जन्मदायनी है।

इंदौर और भोपाल में सालों से पदस्थ प्रशासनिक अधिकारियों को हटाने की तैयारी

भोपाल। प्रदेश में प्रशासनिक अफसरों के लिए इंदौर और भोपाल सबसे पसंदीदा जगह है। हर पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी की पहली पसंद इंदौर होती है। अब भोपाल और इंदौर में सालों से जमे अधिकारी पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी सरकार के राडार आ गए। जिस तरह पुलिस मुख्यालय ने भोपाल, इंदौर के अलावा अन्य जगह सालों से जमे अधिकारियों को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी, उसी तरह प्रशासनिक अधिकारी भी हटेंगे। निकट भविष्य में होने वाले प्रशासनिक फेरबदल में इसका असर दिखाई देगा। इंदौर एवं भोपाल में पटवारी से लेकर आईएएस, आईपीएस और आईएफएस तक इन शहरों में जमे रहना चाहते हैं। अन्य विभाग, निगम एवं उपक्रमों में भी कई अधिकारी इन दोनों शहरों में सालों से जमे हैं। शासन स्तर पर ऐसे अधिकारियों की बाकायदा सूची तैयार हो रही है। जिसमें राज्य पुलिस सेवा, राजस्व विभाग के अधिकारी ज्यादा हैं। इंदौर, भोपाल समेत अन्य बड़े जिलों में पटवारी, आरआई, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, डिप्टी कलेक्टर स्तर के सरकारी नुमाइंदे कई सालों से इन दोनों बड़े शहरों में पदस्थ हैं। पिछले महीने सामान्य प्रशासन विभाग की समीक्षा बैठक में यह मामला सामने आया। इसके बाद से विभाग एक ही जिले में सालों से पदस्थ अधिकारियों की जानकारी जुटाने में लग गए हैं। हाल ही में पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों से 10 साल से जमे अधिकारियों की जानकारी बुलाई गई। अभी तक पुलिस मुख्यालय लोकायुक्त, ईओडब्ल्यू या पुलिस मुख्यालय में ही सालों से जमे अधिकारियों को बदल चुका है। अब जिलों में सालों से पदस्थ अधिकारियों को हटाया जाएगा। पुलिस मुख्यालय के इस कदम से महकमे में हडकंप मचा था, अब प्रशासनिक अधिकारियों का नंबर है।

सिंहस्थ-2028 निर्माण कार्यों की पूर्णता के लिए एक-एक मिनट कीमतीः संजय शुक्ला

उज्जैन। प्रदेश के अपर मुख्य सचिव संजय शुक्ला ने सिंहस्थ-2028 के लिए प्रचलित कार्यो की समीक्षा बैठक कलेक्टर सभाकक्षा में शनिवार को ली। उन्होंने कहाकि अधिकतम निर्माण कार्य ब्रिज कार्पोरेशन के तहत है,ऐसे में इस विभाग के कार्यो को स्थानांतरित करने के लिए निगमायुक्त को निर्देश दिए। ताकि सारे कार्य समय पर पूर्ण हो सके। बैठक में उन्होंने निर्माण कार्यो की समीक्षा करते हुए बिंदुवार प्रश्न किए ओर अधिकारियों से जवाब भी मांगा। कहाकि यदि कहीं भी कोई समस्या हो तो बताएं,काम समय सीमा में होना ही चाहिए।बैठक में संभागायुक्त संजय गुप्ता, प्रभारी कलेक्टर जयति सिंह, मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार श्रीराम तिवारी, ईएनसी-पीएचई श्री सिंगोरिया, निगमायुक्त आशीष पाठक और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में श्री शुक्ला ने निर्देश दिए कि सिहस्थ-2028 के निर्माण कार्यों के लिए विशेष प्रयास करने लिए एक-एक मिनिट कीमती है। निर्माण कार्यों में तेज गति से काम किया जाए। समय सीमा मे कार्य पूर्ण किए जाए। इसके लिए विशेष प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यो को पूर्ण करने के लिए अधिकारियों की भी जिम्मेदारी तय होंगी। सिहस्थ के निर्माण कार्यो की दिन-प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट रखी जाए। शुक्ला ने निगमायुक्त आशीष पाठक को निर्देश दिए कि सभी निर्माण एजेंसियों का भुगतान समय पर हो, इसके लिए एक सॉफ्टवेयर डेवलप करवाएं। इसके लिए मध्यप्रदेश विद्युत मंडल की कार्य प्रणाली को समझें। जो कार्य नियमित चलने वाले है, उनके लिए एक दिनांक सुनिश्चित करें जिस पर उनका भुगतान हो जाए। यदि किसी प्रकार का कोई समस्या है,तो उसका समाधान करने के लिए भी व्यवस्था करें।सभी निर्माण लागत में जीएसटी , संचालन और प्रबन्धन के अलग से बजट का उल्लेख हो, ताकि हर वर्ष उसके लिए राशि का प्रावधान किया जा सके।

सीसीएस द्वारा भोपाल में बेटियां स्कॉलरशिप के तहत छात्राओं के लिए कार्यशाला आयोजित

भोपाल । नई दिल्ली स्थित सेंटर फॉर सिविल सोसाइटी एक स्वतंत्र थिंक टैंक है, जो शिक्षा, आजीविका और शासन में नीति सुधारों पर कार्य करती है। यह अनुसंधान, प्रशिक्षण और संवाद के माध्यम से नीतिगत परिवर्तन लाने का प्रयास करती है।

देश के अलग अलग राज्यों में इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट में स्ञ्जश्वरू विषयों की पढाई करने वाली छात्राओं को सी.सी.एस द्वारा क्क×त्र शिक्षा बेटियां स्कॉलरशिप के तहत छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है, ताकि वे अपनी शिक्षा पूरी कर सकें और खुद को समाज में काबिल बना सके 7 इसी पहल के तहत, दिनांक 27 और 28 फरवरी 2025 को भोपाल के गवर्नमेंट ITI कॉलेज,गोविंदपुर में स्ञ्जश्वरू कोर्स की छात्राओं के लिए दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला छात्राओं के संचार (कम्युनिकेशन), साक्षात्कार (इंटरव्यू) कौशल और वित्तीय प्रबंधन के बारे में उन्हें सशक्त करने के उद्देश्य से आयोजित की गई। इस कार्यशाला का संचालन सी.सी.एस टीम से स्नेहल ठाकरे, अनिल और कृपा द्वारा किया गया। कार्यशाला के दौरान छात्राओं को प्रभावी संवाद, साक्षात्कार की तैयारी और आत्मविश्वास बढ़ाने से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को रोजगार के अवसरों के लिए बेहतर तरीके से तैयार करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना था।

स्कूली छात्रों की बल्ले बल्ले, होली से ईद तक मिलेगी कई छुट्टियां

भोपाल। मार्च का महीना आते ही छात्रों के चेहरे पर एक अलग ही खुशी नजर आती है, और इसका कारण सिर्फ यह नहीं कि यह महीना छुट्टियों और त्योहारों से भरा होता है, बल्कि इस बार मार्च में वीकेंड्स भी कुछ खास होने वाले हैं। होली, ईद-उल-फितर, उगादी, और गुड़ी पड़वा जैसे त्योहारों की खुशियों के साथ, इस महीने छात्रों को लंबी छुट्टियों का भी मौका मिलेगा।

13 मार्च होलिका दहनः बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक, इस दिन कई स्कूलों में छुट्टी होती है, लेकिन यह क्षेत्रीय परंपराओं पर निर्भर करता है।

14 मार्च होलीः रंगों का त्योहार होली पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन सभी स्कूल, कॉलेज, सरकारी दफ्तर और बैंक बंद रहते हैं।

30 मार्च गुड़ी पड़वाः हिंदू नववर्ष का दिन, जो महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा, कर्नाटक और आंध्र में उगादी और उत्तर भारत में चैत्र सुखलादी के रूप में मनाया जाता है। यह रविवार को पड़ने से साप्ताहिक छुट्टी के साथ मेल खाता है।

31 मार्च ईद-उल-फितरः रमजान के महीने के समापन पर मनाया जाने वाला यह राष्ट्रीय अवकाश होता है। सभी स्कूल, कॉलेज, सरकारी दफ्तर और बैंक बंद रहते हैं।

मध्य प्रदेश को शिक्षा और स्वास्थ्य में पूरे देश में अव्वल बनाना सरकार का संकल्पः उप मुख्यमंत्री शुक्ल

सागर। विकसित भारत बनाने के लिए स्वस्थ भारत बनाने का कार्य शुरू किया गया है।

मध्य प्रदेश को शिक्षा और स्वास्थ्य में पूरे देश में अव्वल बनाने के लिए सरकार कृतसंकल्पित है। उक्त विचार उप मुख्यमंत्री एवं सागर जिले के प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने रहस मेले के समापन के अवसर पर गढ़ाकोटा में व्यक्त किये। इस अवसर पर विधायक एवं पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव , सागर विधायक शैलेंद्र जैन, अभिषेक भार्गव, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक केवी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी और बड़ी संख्या में जन समूह मौजूद था।

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी , मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के द्वारा विकसित भारत बनाने के लिए स्वस्थ भारत बनाने का कार्य किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत 30 वर्ष से अधिक के लोगों की ब्लड प्रेशर, शुगर , फैटी लीवर आदि की जांच की जा रही है। यह 31 मार्च तक चलेगा। उन्होंने कहा कि हमारी आशा एवं एएनएम बहिनें घर-घर जाकर यह जांच करेंगी। मध्य प्रदेश की सरकार ने संकल्प लिया है कि मध्य प्रदेश को शिक्षा एवं स्वास्थ्य में प्रदेश में अव्वल बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश शासन ने गौ अभ्यारण बनाने का कार्य किया है जिसके तहत रीवा में 10 हजार गौ माताओं को सुरक्षित रखने के लिए गौ अभ्यारण शुरू किया है। अब 25 हजार गौ माताओं को सुरक्षित रखने के लिए गौ अभ्यारण तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गौ माता का गोबर , गोमूत्र , दूध सभी पूजा में उपयोगी होता है, हमें गौ माता को संरक्षित करने का संकल्प लेना होगा।

उपमुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि देश को आर्थिक महाशक्ति बनाने का कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा किया जा रहा है। शुक्ल ने कहा कि वरिष्ठ विधायक गोपाल भार्गव के द्वारा इस रहस मेले को सहेज कर रखा है और इसे और दिव्य, भव्य बनाया है। सरकार की लोक हितकारी योजनाओं से सभी हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिए एक छत के नीचे कार्य किया जा रहा है। गढ़ाकोटा में अस्पताल में शीघ्र ब्लड बैंक शुरू होगा। डॉक्टरों की पूर्ति की जाएगी, एक्स-रे मशीन एवं सोनोग्राफी मशीन की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाएगी। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि परंपरा, संस्कृति एवं विरासत को सहेजने का कार्य गोपाल भार्गव द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भार्गव के द्वारा प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री की परिकल्पना के अनुसार छोटे-छोटे दुकानदारों को व्यापार उपलब्ध हो, इसके लिए इस मेले में उन्हें व्यापार उपलब्ध कराया है। मध्य प्रदेश की सरकार किसान भाइयों का गेहूं ?2600 प्रति क्विंटल खरीदने का कार्य करेगी। उन्होंने सभी किसान भाइयों से अपील की है कि सभी किसान भाई उपार्जन के लिए अपना-अपना पंजीयन कराएं। पशुपालन मंत्री लखन पटेल ने कहा कि सरकार कोगौअभ्यारण बनाने का कार्य कर रही है इससे हमारी गौ माता सुरक्षित रहेंगी।

उपमुख्यमंत्री शुक्ल ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा कर दिए निर्देश

शत प्रतिशत गर्भवती महिलाओं का पंजीयन सुनिश्चित करें

सागर। उपमुख्यमंत्री एवं लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, शिक्षा विभाग मंत्री राजेन्द्र शुक्ल की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक विशेष रूप से मातृ मृत्यु (मैटरनल डेथ सर्विलेंस एंड रिस्पांस) एवं शिशु मृत्यु की समीक्षा पर आधारित थी। उपमुख्यमंत्री एवं सागर जिले के प्रभारी मंत्री शुक्ल ने कहा कि मातृ मृत्यु दर कम करने के लिए शत प्रतिशत गर्भवती महिलाओं का पंजीयन सुनिश्चित करें। आशा, एएनएम के द्वारा इस बात को विशेष रूप से सुनिश्चित किया जाए कि सभी गर्भवती महिलाओं का शीघ्र ही पंजीयन हो जाए साथ ही पहली तिमाही में एएनसी जांच भी हो जाए।

उन्होंने निर्देश दिए की एएनसी जांच के उपरांत चिन्हित हाई रिस्क प्रेगनेंट वूमेन की पहचान के साथ ही आवश्यक हस्तक्षेप और आगामी कार्यवाही भी सुनिश्चित की जाए जिससे माता और गर्भ में पल रहे शिशु दोनों की अच्छी देखभाल हो सके। उन्होंने निर्देश दिए की क्षेत्र विशेष की समस्याएं पहचान कर व्यवहारिक रणनीति बनाकर कार्य करें तथा इस संबंध में प्रत्येक स्तर पर मॉनिटरिंग भी की जाए। कलेक्टर, सीएमएचओ, सिविल सर्जन, बीएमओ, सीएचओ आदि सभी अपने स्तर पर निगरानी करें और यह सुनिश्चित करें कि मातृ मृत्यु दर में उत्तरोत्तर कमी आए। उन्होंने कहा कि हर हाल में सुरक्षित मातृत्व प्रदान करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित मातृत्व देने के उद्देश्य से प्रत्येक माह की 9 और 25 तारीख को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सिविल अस्पताल सहित जिला अस्पताल में आवश्यक जांचें की जाती हैं। इन जांचों में मुख्य रूप से संबंधित महिला का हीमोग्लोबिन, उसका ब्लड ग्रुप, वीडीआरएल, एचआईवी, थायराइड से संबंधित जांच, यूरिन की जांच के साथ-साथ सोनोग्राफी भी की जाती है। उक्त जांचों के आधार पर गर्भवती महिला की स्क्रीनिंग हो जाती है साथ ही उसकी यह भी पता लगाया जाता है कि, महिला हाई रिस्क प्रेगनेंट वूमेन उच्च जोखिम गर्भवती महिला की श्रेणी में तो नहीं आती। स्वास्थ्य मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि मातृ मृत्यु दर कम करने के लिए शासन , प्रशासन स्तर पर लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। इसके साथ-साथ हमारी माताओं , समाज को भी जागरूक करने की आवश्यकता है। हम सुरक्षित मातृत्व का लक्ष्य तभी प्राप्त कर सकेंगे जब गर्भधारण से और उसके पूर्व से ही माताएं स्वस्थ हों। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से आवश्यक सभी हस्तक्षेप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शत-प्रतिशत गर्भवती महिलाओं की एंटीनेटल केयर के साथ-साथ संस्थागत प्रसव और परिवहन व्यवस्था गर्भवती महिलाओं तक समय से पहुंचे यह सुनिश्चित किया जाए।

प्रधानमंत्री मोदी के स्मार्ट सिटी की सौगात देकर धन राशि उपलब्ध कराने से सागर में दिख रहा विकासः उपमुख्यमंत्री शुक्ल

सागर। नगर निगम द्वारा तिली चौराहे पर 8 करोड़ रुपए की लागत से बनाए जा रहे ऑडिटोरियम के निर्माण कार्य का मध्यप्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री एवं सागर जिले के प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने भूमिपूजन किया। इस अवसर पर सागर विधायक शैलेंद्र जैन, महापौर श्रीमती संगीता सुशील तिवारी, श्याम तिवारी, कलेक्टर संदीप जी आर, पुलिस अधीक्षक विकास शाहवाल, नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री, एम आई सी सदस्य, पार्षद एवं नगर के प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित थे।

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर निगमायुक्त राजकुमार खत्री ने ऑडिटोरियम निर्माण के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि 8 करोड़ रुपए की लागत से बनने जा रहे ऑडिटोरियम में 30 हजार वर्गफुट जगह में 10 हजार वर्गफुट में बिल्डिंग बनेगी जिसमें 350 सीट, भव्य मंच, चेंजिंग रूम सहित अन्य सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

उपमुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने सागर के नागरिकों को बधाई देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सभी विधायकों को 15 करोड़ की अतिरिक्त राशि दी ताकि वे अपने क्षेत्र में विभिन्न विकास के आवश्यक कार्य करा सकें और सागर के विधायक शैलेंद्र जैन ने इसमें से 8 करोड़ की राशि से यह ऑडीटोरियम बनाने का निर्णय लिया। इसके निर्माण से व्यापक समाज को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि शासकीय योजनाओं को देरी से पूरा होने में एक बड़ा कारण भूमि की उपलब्धता न हो पाना होती है उन्होंने सागर कलेक्टर संदीप जी. आर. की सराहना करते हुए कहा कि कलेक्टर ने तत्परता से भूमि उपलब्ध कराई है। इस ऑडीटोरियम के लिए इससे अच्छा स्थान नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि भूमिपूजन के साथ ही अब निर्माण एजेंसी तत्काल मशीनें लगाकर कार्य को तेजी से पूरा करें और प्रतिमाह प्रगति से हमें अवगत करायें।

डॉ हरीसिंह गौर की नगरी सागर में शिक्षा का विशेष स्थान है यहां के लोग बड़े क्रन्तिकारी विचारों के हैं और अपने शहर के विकास हेतु सजग हैं। मैं अब सागर में आता हूँ तो ख़ुशी होती है कि सागर में अन्य शहरों की अपेक्षा तेजी से विकास और बदलाव हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्मार्ट सिटी की सौगात देकर धन राशि दी और आज सागर में जमीनी स्तर पर विकास दिख रहा है सड़के चौड़ी हुई हैं, अत्याधुनिक खेल सुविधाएं, पार्क, झील का सौन्दर्यीकरण आदि सब देखते ही बनता है।स्वच्छता में सागर को अग्रणी बनाने में नागरिकों की महत्वपूर्ण भूमिका बताते हुए उन्होंने कहा कि आज इंदौर स्वच्छता में प्रथम है क्योंकि स्वच्छता वहां के बच्चे-बच्चे बच्चे के संस्कार में शामिल हो चुकी है इंदौर का बच्चा भी अब कचरा नहीं फैलाता है। सागर के सभी नागरिक मिलकर सागर को भी नंबर वन बना सकते हैं सागर में भी स्वच्छता का संस्कार घर-घर हर बच्चे, बड़े, बूढ़े में होना चाहिए। हम सब न कचरा फैलाएं और न ही किसी को फैलाने दें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत तेजी से विकसित हो रहा हैं भारत में आज पैसों की कमी नहीं हैं भारत की अर्थव्यवस्था 5 वें स्थान से तीसरे स्थान पर आ गई है और जल्दी ही पहले स्थान पर भी होगी। गांव-गांव सड़क, पानी, बिजली उपलब्ध हो रही है। गांव-गांव में घर तक नल से जल के रूप में फिल्टर वाटर उपलब्ध कराया जा रहा है। सागर में बाईपास सड़क की आवश्यकता वर्षो से थी आज इसके निर्माण का कार्य भी स्वीकृत होकर प्रारम्भ किया गया है।स्वास्थ्य मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने बताया कि 20 फ़रवरी से 31 मार्च तक निरोगी काया कल्प अभियान प्रारम्भ किया गया है इसके तहत 30 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के प्रत्येक नागरिक को निःशुल्क मेडिकल जाँच का फायदा मिलेगा। इसमें ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, फैटी लीवर जैसी स्वास्थ्य से जुड़ी बुनियादी समस्याओं की जाँच समय पर हो सकेगी और समय रहते उपचार से बड़ी बीमारियों के होने की संभावना को कम किया जा सकेगा।

नरेन्द्र मोदी के राइट टू हेल्थ अभियान की तरह यह राइट टू स्क्रीनिंग मतलब निःशुल्क जाँच कराने का अधिकार नागरिकों के लिए विशेष लाभप्रद होगा। सागर की सभी एएनएम और आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर ऐसे लोगों की स्क्रीनिंग करें और स्वास्थ्य के प्रति सभी को जागरूक बनाएं। जल्दी ही हम कैंसर की जाँच हेतु भी व्यापक अभियान चलाएंगे। विधायक शैलेन्द्र जैन ने कहा कि हम सबका सौभाग्य है जो हमारे प्रभारी मंत्री मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के कुशल नेतृत्व में सागर के विकास कार्य हो रहे हैं।

आर्थिक पाठ्यक्रम के पाठ

फाइलें नोट करती रहीं काम के, लेकिन हुजूर चस्पां थे इत्मीनान से। हिमाचल में सबसे पहले और सबसे आगे अगर नवाचार हुआ, तो यह ट्रांसफर एडजस्टमेंट का नित नया पैंतरा रहा। तू डाल-डाल, मैं पात-पात के इस खेल में कर्मचारी राजनीति ने सचिवालय से सड़क तक को गुमराह किया। यह एक भंवर है जहां प्रदेश का कर्म, राजनीति का भ्रम और राज्य का भविष्य बार-बार डूबा। यानी सरकारी नौकरी प्रदान करने में सत्ता जादूगर, कर्मचारी मालिक और राजनीति साम्राज्य बन गई। प्रदेश के संसाधन, उधार की परिक्रमा में ऐसे व्यय पर लट्टू रहे जो आज बजट की तासीर को कमजोर बनाता है। जहां पगार देने के लिए कर्ज लेना पड़ता हो, वहां यह इंतखाब घातक है, इसलिए अब प्रदेश को अपने ही बोझ से निजात चाहिए। सरकार की उदारता बहुत देखी और पिछले कई चुनावों से पूर्व सत्ता पक्ष ने बहलाने-फुसलाने या सियासी चमत्कार दिखाने की कोशिश में खजाने को पंगु बना दिया। बहरहाल कर्मचारी मसलों में क्रांतिकारी कदम चाहिए और यह हिम्मत दिखानी पड़ेगी, वरना यह प्रदेश अब अपने ही ढांचे के नीचे हड्डियां तुड़वा रहा है। अगर दो दर्जन कालेज और स्कूलों का एक सैंकड़ा हटाना या बंद करना पड़ रहा है, तो यह दौर खुद को समझाने और संभालने का है। जाहिर है सरकार को ये कदम लेने पड़ रहे हैं, वरना सियासी ढोल नगाड़े तो यही चाहते हैं कि बहते दरियाओं में किश्तियां बढ़ती रहें। बेशक आज हिमाचल जहां है, वहां विकास की मात्रात्मक पहचान ने नागरिक समाज को जागरूक किया। सामाजिक सुरक्षा के हर पहलू में घर-घर तक यह खत आया कि शिक्षा व चिकित्सा अब उनके नजदीक है, लेकिन विस्तार की यह परिभाषा अप्रासंगिक होने लगी तो तरक्की के विषय बदलेंगे, आगे बढने के पाठ्यक्रम बदलेंगे।

एक पाठ्यक्रम शिक्षा ने दिया, लेकिन दूसरा अब हमारे आर्थिक संसाधन बना रहे हैं। आर्थिक संसाधनों का पाठ्यक्रम हमें विवश कर रहा है कि अब वास्तविकताओं को नजरअंदाज न करें। यह जवाबदेही मांग रहा है, वित्तीय कसौटियां भांप रहा है। फिजूलखर्चियों के चंगुल से बचा रहा है, तो सरकारी कार्यसंस्कृति में अनुशासन बढ़ाने की ताकीद कर रहा है। हिमाचल को अपने आर्थिक पाठ्यक्रम के पाठ बढ़ाते हुए हर विभाग के लक्ष्य तय करने होंगे। सरकारी क्षेत्र के हर कर्मचारी-अधिकारी के जज्बात अब वेतन-भत्तों की गणना नहीं, बल्कि दायित्व को औचित्यपूर्ण बनाना है। इसी परिप्रेक्ष्य में जिला से राज्य कैडर में परिवर्तित होने का अनुशासित पक्ष, प्रशंसनीय है। आर्थिक पाठ्यक्रम महज बजट का शीर्षासन नहीं, बल्कि कार्य संस्कृति के हर पल की गवाही है। अगर एचआरटीसी कैशलैस ट्रांजेक्शन से अपनी कार्य संस्कृति को सुधार रहा है, तो हर निगम की बचत में कर्मचारियों के हाथ-पांव फूलने चाहिएं। विभागीय दक्षता और कार्यप्रणाली की सफलता में ट्रांसफर का धोबीघाट होना चाहिए ताकि सनद रहे कि नौकरी सिर्फ अधिकार नहीं, दायित्व के जवाबदेही है। हिमाचल पर्यटन निगम की हर इकाई का दारोमदार उसे लाभकारी बनाने में होना चाहिए, न कि पर्चियों पर सरकारी नौकरी को सियासी सेवादार बनाने में प्रशस्त होना पड़े। इसी कड़ी में शिक्षा और चिकित्सा विभाग सबसे बड़े दर्पण हैं, जहां राजनीतिक सेवादार बनकर कार्य संस्कृति उजड़ गई। इसी परिप्रेक्ष्य में हिमाचल के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर के प्रयास सामने आ रहे हैं। हैरानी यह कि शहरी जमीन पर ट्रांसफर की खेती उगाते हुए कई शिक्षा संस्थान, कुछ अध्यापकों की संपत्ति बने हुए हैं। इन्हीं दायरों में अगर म्यूचुअल ट्रांसफर के दरवाजे बंद किए जा रहे हैं, तो यह एक कड़क फैसला है, वरना हर अध्यापक के पीछे एक ऐसा शौर्य इतिहास है जो बताता है कि कोई बंदा शिक्षा में कितने कोस चला।

ऐसे भी उदाहरण हैं जहां कई अध्यापक या कर्मचारी अपनी पूरी सरकारी नौकरी एक ही स्थान पर काट गए। ऐसे में यह कदम प्रशंसनीय होगा बशर्ते ट्रांसफर के मकडज़ाल को पारदर्शी व अराजनीतिक बनाया जाए। प्रदेश के आर्थिक पाठ्यक्रम में अगर स्थानांतरण नीति का अध्याय जोड़ दिया जाए, तो सरकारें मीलों आगे जा सकती हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में राज्य सचिवालय में कर्मचारी कैडर को राज्य स्तरीय बनाने का साहस भी चाहिए। अंतत~ट्रांसफर की फाइल का वजन तो यहीं भारी या हल्का होता है। राज्य सचिवालय की कई कुर्सियों का वजन इतना भारी है कि इन्हें हिमाचल में पृथ्वी घूमती हुई नजर नहीं आती। भरमौर या सिरमौर के स्कूल को कौनसा टीचर चलाए, इसका फैसला महज एक दरख्वास्त, एक परिचय, एक पहुंच और एक सियासी पहचान है, तो सुधारों के सारे खत सचिवालय के अंधे गलियारों में कौन पढ़ेगा। इसलिए आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य रूप से प्रदेश सचिवालय को भी आर्थिक पाठ्यक्रम पढ़ाया जाए।

भारत : मोटापे और भुखमरी दोनों से ग्रस्त

राकेश दुबे

हमारे देश भारत में एक तरफ अनावश्यक और अत्यधिक खाने से बढने वाला मोटापे से होने वाली बीमारियां राष्ट्रव्यापी समस्या बनती जा रही हैं, वहीं दूसरी तरफ आबादी का एक बड़े हिस्सा दो वक्त का भरपेट भोजन नसीब नहीं होने से कुपोषित होकर रोगग्रस्त हो रहा है। यदि मोटापा खत्म या नियंत्रित हो जाए तो इससे भुखमरी व कुपोषण के लिए धन की कमी पूरी हो सकती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात की 119वीं श्रृंखला में देश में बढ़ती मोटापे की समस्या पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में मोटापे के मामले दोगुने हो गए हैं और भारत में मोटापे की व्यापकता पर ध्यान देने की तत्काल आवश्यकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम सब मिलकर छोटे-छोटे प्रयासों से इस चुनौती से निपट सकते हैं। जैसे एक तरीका है कि खाने के तेल में 10 प्रतिशत की कमी करना। भोजन में खाद्य तेल की खपत को कम करने के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए प्रधानमंत्री ने देश के दस प्रसिद्ध लोगों को नामांकित किया। मोटापा सिर्फ सेहत का मसला नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के लिए भी खतरा है। एक अध्ययन के अनुसार भारत में मोटापे का आर्थिक बोझ 2030 तक बढक़र 6.7 लाख करोड़ रुपए प्रति वर्ष हो जाएगा।

यह लगभग 4700 रुपए प्रति व्यक्ति होगा, जोकि जीडीपी का 1.57 प्रतिशत है। ग्लोबल ओबेसिटी ऑब्जर्वेटरी के अनुसार, 2019 में मोटापे का आर्थिक प्रभाव 2.4 लाख करोड़ रुपए था। यह लगभग 1800 रुपए प्रति व्यक्ति और जीडीपी का 1.02 प्रतिशत था। 2060 तक यह आंकड़ा बढक़र 69.6 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है, जो प्रति व्यक्ति 44200 रुपए और जीडीपी का 2.5 प्रतिशत होगा। यह अध्ध्यन बताता है कि मोटापा सिर्फ एक स्वास्थ्य समस्या नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के लिए भी बड़ा खतरा है।

नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 के अनुसार पुरुषों और महिलाओं में क्रमश~ 44 प्रतिशत और 41 प्रतिशत लोग अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त हैं। पिछले सर्वेक्षण में यह आंकड़ा क्रमश~ 37.7 प्रतिशत और 36 प्रतिशत था। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि मोटापे की समस्या तेजी से बढ़ रही है। विश्व मोटापा महासंघ ने कहा कि भारत में दुनिया में मोटे व्यक्तियों का तीसरा सबसे बड़ा प्रतिशत है। किसी व्यक्ति को तब मोटापे की श्रेणी में रखा जाता है जब उसका बीएमआई 27.5 से अधिक हो। पिछले 10 वर्षों में, भारत की मोटापे की दर लगभग तीन गुनी हो गई है, जिसका असर देश की शहरी और ग्रामीण दोनों आबादी पर पड़ रहा है। मोटापे का वैश्विक संकट सभी उम्र के लोगों को प्रभावित कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में मोटापे की दर अधिक है, जो देश के तेज आर्थिक विस्तार और बदलती जीवन शैली मानकों के साथ मेल खाता है। भारत में 100 मिलियन से अधिक लोग मोटापे से जूझ रहे हैं। भारत में 12 प्रतिशत पुरुष और 40 प्रतिशत महिलाएं पेट के मोटापे से ग्रस्त हैं। केरल (65.4 प्रतिशत), तमिलनाडु (57.9 प्रतिशत), पंजाब (62.5 प्रतिशत) और दिल्ली (59 प्रतिशत) में यह दर बहुत ज्यादा है। मध्य प्रदेश (24.9 प्रतिशत) और झारखंड (23.9 प्रतिशत) में यह दर कम है। आंकड़ों के अनुसार, भारत में पहले से ही 14.4 मिलियन बच्चे मोटे हैं। भारत में बचपन में मोटापे के प्राथमिक कारणों में खराब आहार विकल्प, निष्क्रियता और एक गतिहीन जीवन शैली शामिल है। प्रोसेस्ड स्नैक्स और फास्ट फूड की बढ़ती लोकप्रियता के कारण बच्चे उच्च कैलोरी, कम पोषक तत्व वाले आहार खा रहे हैं, जिससे वजन बढ़ता है और मोटापा होता है।

बचपन में मोटापे के परिणाम व्यापक हैं और लंबे समय में बच्चों के स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। मोटे बच्चों को टाइप 2 मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और सांस लेने में कठिनाई जैसी दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याएं होने का उच्च जोखिम होता है। इसके अतिरिक्त उन्हें निराशा और खराब आत्मसम्मान सहित मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का अनुभव होने की अधिक संभावना है, जो उनके सामान्य स्वास्थ्य को खराब कर सकता है। विडंबना यह है कि देश मोटापे से होने वाली चुनौतियों से जूझ रहा है, वहीं कुपोषण की समस्या से भी जूझ रहा है।

ग्लोबल हंगर इंडेक्स रिपोर्ट 2024 में 127 देशों में भारत का स्थान 105वां है। हालांकि पिछले सालों की तुलना में इस साल भारत की रैंक में सुधार हुआ है। लेकिन भारत अभी भी गंभीर भूख की समस्याओं वाले देशों में शामिल है। 2024 की रिपोर्ट में भारत का स्कोर 27.3 है जो भुखमरी के एक गंभीर स्तर को दर्शाता है। रिपोर्ट में हाल के वर्षों में भारत में कुपोषण के प्रसार में मामूली वृद्धि का उल्लेख किया गया है। भारत की रैंकिंग अपने पड़ोसी देशों श्रीलंका, नेपाल, म्यांमार और बांग्लादेश से पीछे है, जबकि पाकिस्तान और अफगानिस्तान से केवल ऊपर है। श्रीलंका 56, नेपाल 68 और बांग्लादेश 84वें स्थान पर भारत से काफी आगे हैं। भारत में कुपोषण की जो स्थिति है वो किसी से छिपी नहीं है। यहां बहुतों को तो पेट भर खाना भी नहीं मिलता और जिनको मिल भी रहा है उनके भोजन में पोषण की भारी कमी है। इसका खामियाजा नन्हें बच्चों को उठाना पड़ रहा है। भारत को अभी भी बाल कुपोषण जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें विश्व स्तर पर बच्चों में दुबलापन (18.7 प्रतिशत) सबसे अधिक है।

देश में बच्चों के बौनेपन की दर 35.5 प्रतिशत, पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर 2.9 प्रतिशत और कुपोषण का प्रसार 13.7 प्रतिशत है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी एक रिपोर्ट में भारत में पोषण की स्थिति गंभीर बताई गई है। रिपोर्ट के आंकड़ों के मुताबिक देश में पांच वर्ष से कम उम्र के 31.7 फीसदी बच्चे स्टंटिंग का शिकार हैं। मतलब कि ये बच्चे अपनी उम्र के लिहाज से ठिगने हैं। यह रिपोर्ट 'लेवल्स एंड ट्रेंड इन चाइल्ड मालन्यूट्रिशन 2023' संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ), विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और वर्ल्ड बैंक द्वारा संयुक्त रूप से जारी की गई थी। बाल कुपोषण एक गंभीर मुद्दा बना हुआ है, जिसमें दुबलापन और बौनापन दोनों ही खतरनाक रूप से उच्च स्तर पर हैं। इंपीरियल कॉलेज लंदन द्वारा की गई इस रिसर्च के मुताबिक भारतीय किशोर, नीदरलैंड के समान आयु वर्ग के बच्चों की तुलना में 15.2 सेमी ठिगने हैं। इसी तरह यदि वेस्टिंग यानी ऊंचाई के लिहाज से वजन को देखें तो देश में भारत में पांच वर्ष या उससे कम आयु के 18.7 फीसदी बच्चों का वजन उनकी ऊंचाई के हिसाब से कम था।

मतलब कि 2020 में इस आयु वर्ग के देश के करीब 2.2 करोड़ बच्चे वेस्टिंग का शिकार थे। मोटापे की समस्या से निपटना बहुत मुश्किल काम नहीं है। जीवनशैली और खानपान में बदलाव के साथ नियमित व्यायाम इत्यादि से इस समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। यह समस्या व्यक्तिगत है, इसलिए देश के हर व्यक्ति की निजी जिम्मेदारी है कि वह अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखे। ऐसा करने से व्यक्ति और उसके परिवार के साथ देश का भी नुकसान नहीं होगा। असल चुनौती तो कुपोषण और भुखमरी की भयावहता से निपटने की है। यह समस्या मोटापे की तरह व्यक्तिगत नहीं है। इसके लिए मौजूदा और पिछली केंद्र की सरकारों के साथ राज्यों की सरकारें भी जिम्मेदार हैं। इस समस्या से निपटने के लिए धन और भ्रष्टाचार रहित पारदर्शी नीति की आवश्यकता है। विशेषकर मोटापे से होने वाले आर्थिक नुकसान को रोक कर कुपोषण और भुखमरी जैसी अमानवीय समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। राजनीतिक दल जब तक अपने निहित क्षुद्र स्वार्थों को छोड़ कर ऐसे राष्ट्रीय मुद्दों पर एकराय नहीं होंगे, तब तक इस तरह की समस्याएं देश की विडंबनाओं को उजागर करने के साथ ही देश की तरक्की के कथित पैमानों को मुंह चिढ़ाती रहेंगी।

भारतीय राजनीति में बुद्धिमान नहीं वफ़ादार होना ज़रूरी

तनवीर जाफ़री

इन दिनों कांग्रेस पार्टी के नेता,पूर्व केंद्रीय मंत्री व तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस पार्टी के सांसद शशि थरूर को लेकर अटकलों का बाज़ार गर्म है। शशि थरूर संयुक्त राष्ट्र की नौकरी छोड़कर 2009 में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए थे। उसके बाद वे लगातार चार बार केरल की तिरुवनंतपुरम सीट से लोकसभा सांसद निर्वाचित होते रहे हैं। पिछले दिनों उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस के मलयालम पॉडकास्ट से बात चीत के दौरान यह कह दिया की यदि कांग्रेस पार्टी को उनकी सेवाओं की ज़रूरत नहीं है तो उनके पास विकल्प हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अगर पार्टी उनका इस्तेमाल करना चाहती है तो वे पार्टी के लिए उपलब्ध रहेंगे। अन्यथा मेरे पास करने के लिए मेरी चीज़ें हैं। आपको नहीं सोचना चाहिए कि मेरे पास दूसरे विकल्प नहीं हैं। उन्होंने कहा कि मेरे पास मेरी किताबें, भाषण, और पूरी दुनिया से बातचीत करने के लिए निमंत्रण हैं। थरूर के इस बयान से इन अटकलों को बल मिलना स्वाभाविक था कि क्या अब थरूर भी कांग्रेस को अलविदा कह सकते हैं।

इस ख़बर के साथ ही मीडिया में इस बात को लेकर भी अटकलें लगाई जाने लगीं कि यदि थरूर कांग्रेस पार्टी छोड़ते हैं तो क्या वे भी भारतीय जनता पार्टी की शरण में जायेंगे ? ख़ासकर पूर्व में उनके द्वारा भाजपा सरकार की कुछ नीतियों की तारीफ़ किये जाने से इन क़यासों को अधिक बल मिला। जैसे कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे के समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से उनकी मुलाक़ात की प्रशंसा की। उन्होंने मोदी के अमेरिका दौरे को काफ़ी अच्छा बताया। इसी तरह थरूर ने एफ़-35 लड़ाकू विमान को ख़रीदने में भारत की दिलचस्पी की तारीफ़ यह कहकर की कि ये विमान काफ़ी क़ीमती है। जबकि उन्हीं की पार्टी के नेता व कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने भारत सरकार द्वारा इस विमान को ख़रीदने में दिलचस्पी की आलोचना की। सुरजेवाला का कहना था, कि जिस स्न 35 को एलन मस्क कबाड़ बता चुके हैं उसे नरेंद्र मोदी ख़रीदने पर क्यों तुले हुए हैं। इसी तरह थरूर ने सोशल मीडिया एक्स पर केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और ब्रिटेन के व्यापार मंत्री जोनाथन रेनल्ड्स के साथ एक सेल्फ़ी पोस्ट करते हुये लिखा था कि लंबे समय से रुकी हुई एफ़टीए वार्ता फिर से शुरू हो गई है, जो स्वागत योग्य है। बेशक सरकार के प्रति इस तरह के अप्रत्याशित वक्तव्य भाजपा के प्रति थरूर के सकारात्मक होने का संकेत दे रहे थे। परन्तु जब थरूर से भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने स्वयं को एक क्लासिक उदारवादी बताते हुये कहा कि - मैं सांप्रदायिकता का विरोध करता हूं और आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक न्याय में विश्वास करता हूं। उन्होंने कहा, हर पार्टी का अपना विश्वास और इतिहास होता है। अगर आप किसी दूसरी पार्टी के विश्वास को नहीं अपना सकते तो उसके साथ जुड़ना सही नहीं है। मुझे नहीं लगता कि यह सही है। वैसे भी जिस तरह 50 करोड़ की गर्ल फ़्रेंड कहकर शशि थरूर को लेकर अपमान जनक टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने सार्वजनिक भाषण में की गयी थी उसे देखकर भी नहीं लगता कि थरूर जैसा बुद्धिजीवी व संवेदनशील व्यक्ति कभी भाजपा में भी शामिल होगा।

परन्तु इन्हीं ख़बरों के बीच एक बार फिर इस बात पर भी बहस छिड़ गयी है कि क्या राजनैतिक दलों में बुद्धिजीवियों की कोई महत्वपूर्ण भूमिका भी है ? यदि थरूर के ही राज्य केरल में पिछले चुनावों के दौरान देखें तो भारत के एक प्रख्यात सिविल इंजीनियर, दिल्ली मेट्रो के निदेशक व पद्म श्री तथा पद्म विभूषण जैसे अति प्रतिष्ठित सम्मानों के हासिल करने वाले ई श्रीधरन जिन्हें भारत के मेट्रो मैन के रूप में भी जाना जाता है,को भाजपा द्वारा केरल का मुख्यमंत्री प्रचारित किया गया था। यह और बात है कि ई श्रीधरन स्वयं अपना चुनाव भी नहीं जीत सके। परन्तु क्या कोई जानता है कि आज ई श्रीधरन भाजपा में क्या भूमिका निभा रहे हैं ? एक श्रीधरन ही नहीं भाजपा में ही लाल कृष्ण आडवाणी से लेकर यशवंत सिन्हा व अरुण शौरी जैसे अनेक नेताओं का जो हश्र भाजपा में हुआ और हो रहा है वह किसी से छुपा नहीं है। क्या उनकी क़ाबलियत के अनुसार उनके व्यक्तित्व का इस्तेमाल किया गया ? हाँ यदि एस जय शंकर,अश्वनी वैष्णव और हरदीप पुरी जैसे गिने चुने लोगों को ज़िम्मेदारियाँ दी भी गयी हैं तो वे भी कितने स्वतंत्र हैं किसी से छुपा नहीं है। हाँ सत्ता प्रमुख, पूर्व नौकरशाह होने के नाते उनसे किसी तरह की ना की उम्मीद तो कर ही नहीं सकते क्यों उन्होंने अपनी पूरी सेवा के दौरान केवल यस मिनिस्टर ही तो कहा है ?

कमोबेश अधिकांश राजनैतिक दलों में यही स्थिति है। जहाँ पार्टी प्रमुखों को या आला कमान को बुद्धिजीवी,सलाह देने वाला,अपनी बुद्धि का इस्तेमाल करते हुये शीर्ष नेताओं को कोई नेक सलाह देने वाला नेता नहीं बल्कि ऐसा व्यक्ति चाहिये जो उनके प्रति पूरी तरह वफ़ादार हो और हर सही व ग़लत बात में आला कमान की हाँ में हाँ मिलाने की सलाहियत रखता हो।

हाँ, इन्हीं राजनैतिक दलों में कई ऐसे अवसरवादी प्रवृति के समझदार नेता भी मिल जायेंगे जो केवल अपने सुखद राजनैतिक भविष्य के कारण सभी परिस्थितियों में गुज़ारा करने में भी संतुष्ट रहते हैं। क्योंकि कभी इन्हें मंत्री बनाकर ख़ामोश कर दिया जाता है तो कभी राज्यपाल का पद नवाज़ कर सक्रिय राजनीति से दरकिनार कर दिया जाता है। चूँकि ऐसे नेता प्रायः अपनी उम्र के आख़िरी पड़ाव में होते हैं इसलिये जो मिला उसी में संतोष के सिद्धांत पर समझौता करते हुये अपना समय गुज़ार लेते हैं जबकि कुछ बग़ावती तेवर रखने या सच बोलने अथवा सवाल खड़ा करने वाले नेता सतपाल मालिक बन जाते हैं। गोया भारतीय राजनीति में बुद्धिमान होना ज़्यादा ज़रूरी नहीं बल्कि वफ़ादार होना ज़्यादा ज़रूरी है।

मानवीय तरक्की के लिए वन्य जीवों को सजा न भुगतनी पड़े

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

पृथ्वी पर जीवन का आधार वन्यजीव है, जिस समय धरती से वन्यजीव का अस्तित्व पूर्ण रूप से समाप्त होगा, तब मानवीय जीवन बड़े ही दर्दनाक तरीके से खत्म हो जायेगा। वन्य जीवों के कारण जंगल समृद्ध होते है, जंगलों से जल स्त्रोत समृद्ध होते है, पेड़ों से मिट्टी का क्षरण रूककर उपजाऊ भूमि का बचाव होता है। सबको शुद्ध जल और शुद्ध प्राणवायु मिलती है, ऋतु चक्र बेहतर ढंग से कार्य करते है, समय पर पर्याप्त वर्षा होती है, मौसम और प्रकृति में संतुलन बना रहता है, प्राणियों की खाद्य श्रृंखला सुचारु रूप से चलती हैं। मानव और वन्यजीवों के बीच संघर्ष कम होता है। प्राकृतिक आपदाओं में कमी आती है, फसलें लहलहाती है, समाज के हर तबके को पोषक तत्वों से भरपूर स्वास्थवर्धक अन्न प्राप्त होता है। बीमारियां कम होती है, अशुद्धता, मिलावटखोरी, घातक रसायनों का प्रयोग जैसे बुराइयों पर अंकुश लगाना संभव होता है। देश आत्मनिर्भर बनता है, प्राकृतिक संसाधन संपन्न बनते है। देश में गुणवत्तापूर्ण खाद्यान, उत्पादों का निर्यात बढ़ता है और आयात में कमी आती है। मनुष्य का जीवनमान स्तर सुधरता है, और ऐसे ही मानव और देश सही मायने में तरक्की करता है। अगर देखा जाए तो मनुष्य का सम्पूर्ण जीवन ही वन्यजीवों पर आधारित है। मनुष्य लगातार प्रकृति को बर्बाद करता आया है, जबकि वन्यजीवों के बदौलत मानव जीवन का अस्तित्व टिका हुआ है, क्योंकि वन्यजीव ही जंगल, वन, प्रकृति के प्रमुख रक्षक है। इस वर्ष 2025 विश्व वन्यजीव दिवस की थीम ÷वन्यजीव संरक्षण वित्त~लोगों और ग्रह में निवेश÷ यह है। यह विषय वन्यजीव संरक्षण प्रयासों को समर्थन देने के लिए स्थायी वित्तीय समाधान की तत्काल आवश्यकता पर है, वन्यजीव संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए नवीन वित्तीय तंत्रों की आवश्यकता है।

देश में बढ़ती आबादी की सुख-सुविधाओं के लिए प्राकृतिक संसाधनों और सिमित स्त्रोतों पर असीमित दबाव बना हुआ है। सुंदर चहचहाते पंछियों को हम पहले ही शहरों से दूर भगा चुके है। नगर अब महानगरों का रूप धारण कर रहे है, शहरों के आसपास के गांव, जंगल, खेत, जल स्त्रोत, प्राकृतिक संसाधन तेजी से सिकुड़ रहे है। शहरों और महानगरों से गुजरने वाली नदियां अब नालों का स्वरुप धर चुकी है, बड़े-बड़े विषैले कूड़े के पहाड़, ई-अपशिष्ट और बिओमेडिकल वेस्ट लगातार बढ़ रहे है। मानवीय जीवन के लिए आवश्यक हर उत्पाद के लिए कच्चा माल प्रकृति से प्राप्त होता है, प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन के कारण आपदाओं और जानलेवा बीमारियों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। आबादी अनुरूप शहरों में नयी बस्तियाँ बसाई जा रही है, सड़कों पर मनुष्य से ज्यादा वाहनों की भीड़ नजर आती है। पृथ्वी के तापमान में लगातार बदलाव नजर आ रहा है, बड़े-बड़े हिमखंड पिघल रहे है। शहरों और गांव में भी भूजल का स्तर लगातार गिर रहा है, इसका सीधा असर फसलों पर हो रहा है, तापमान बढ़ रहा है, खाद्यान का आयात बढ़ रहा है। प्रदुषण, शोर, आर्थिक विषमता और अपराध बढ़ रहे है। जंगल से वन्यजीव खाना-पानी के लिए मानवीय बस्तियों में आने को मजबूर है, जिसके कारण मानव और वन्य जीवों में संघर्ष तीव्र हो रहा है। आनेवाली पीढ़ियों के हिस्से के संसाधनों का दोहन भी हम कर चुके है। जितना हम प्रकृति से लेते है, उतना वापस करते हुए जाना होता है, लेकिन आज के युग में स्वार्थी मनुष्य प्रकृति को निचोड़कर उससे छीनता जा रहा है, प्रकृति के हर भाग पर अपना हिस्सा बनाता जा रहा है।वन्यजीव अक्सर मानवीय हस्तक्षेप से दूर रहना चाहते है, परन्तु मनुष्य ही लगातार अपना दायरा बढ़ाता जा रहा है, जिससे वन्यजीवों के लिए भोजन ढूंढना और संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा करना कठिन हो गया है।

भारतीयता की तहजीब को आवाज देने वाले फनकार

ललित गर्ग

रूमानियत, समाज एवं संस्कृति में रची बसी जिनकी शायरी हर उम्र के लोगों के जीवन का हिस्सा है, ऐसे महान् 'शायर-ए-जमाल'- सौन्दर्य का कवि कहलाने वाले फिराक गोरखपुरी उर्दू शायरी का देश एवं दुनिया का एक फनकार हैं जिसका रचना-संसार जीते-जी ही नहीं, मरकर भी गूंज रहा है। गोरखपुर को जिन वजहों से दुनिया भर में पहचान मिली, फिराक गोरखपुरी को हमें उनमें आगे की पंक्ति में रखना ही होगा। नाम के आगे गोरखपुरी लगाकर उन्होंने उर्दू अदब की दुनिया में गोरखपुर को जो ऊंचाई दी, गोरखपुर ही नहीं बल्कि समूचे पूर्वांचल के लोग इसके लिए गौरव का अनुभव करते हैं। शायरी कहने के अपने अलमस्त और बेलौस अंदाज को लेकर वह शायरों में ही नहीं, आमजन के बीच भी हमेशा चर्चा का विषय रहे। गंगा-जमुना के संगम एवं सांझी संस्कृति वाले शहर इलाहाबाद के फ़िराक़ की तमाम शायरी कुछ ऐसी है जो सही मायने में गंगा-जमुनी तहजीब की शायरी है। और भी कुछ शायर गंगा-जमुनी के तहजीब के माने-कहे जाते हैं लेकिन फ़िराक़ के लिए इसका मायने बहुत गहरे एवं हिन्दुस्तान की अस्मिता से जुड़ा था। वे जो लिख रहे थे, असल में हजारों साल की तहजीब को आवाज दे रहे थे, विविधता और विस्तार में एकता की गहरी जड़ें तलाश रहे थे।

रघुपति सहाय से फिराक गोरखपुरी बने, वे भारत के एक प्रसिद्ध उर्दू शायर, कवि, लेखक और आलोचक थे। उनकी साहित्यिक प्रतिभा कविता, गजल, नज्म और निबंध सहित विभिन्न शैलियों में फैली हुई है। प्रगतिशील लेखक आंदोलन के एक प्रमुख व्यक्तित्व, गोरखपुरी की रचनाओं में मानवीय भावनाओं, सांस्कृतिक मूल्यों और सामाजिक मुद्दों की गहरी समझ झलकती है। उनकी काव्यात्मक अभिव्यक्ति ने शास्त्रीय लालित्य को आधुनिक संवेदनाओं के साथ जोड़ा, जिन्होंने शायरी को लोक बोलियों से जोड़कर उसमें नई लोच, नई रंगत, नई ऊर्जा एवं नये मानक उत्पन्न किये। उन्हें फारसी, हिन्दी, ब्रजभाषा और भारतीय संस्कृति की गहरी समझ थी, इन्हीं कारणों से उनकी शायरी में भारत की विविधताओं युक्त सांझी रची-बसी हुई है। वे जन-कवि और सौन्दर्य के परम उपासक के रूप में असंख्य लोगों के दिल और दिमाग में रचे-बसे हैं। वैसे भी फ़िराक़ के दौर को देखा जाए तो उस वक्त हर तरफ कद्दावर लोग थे। महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला और सुमित्रानंदन पंत के अलावा पंडित जवाहर लाल नेहरू, महादेवी वर्मा, अमरनाथ झा, हरिवंशराय बच्चन समेत और भी कई बड़े कलमकार उसी इलाहाबाद में थे। इलाहाबाद के बाहर की दुनिया की बात करें तो महात्मा गांधी के उस दौर में कई बड़े दार्शनिक, कवि और शायर राष्ट्रीय फलक पर सितारे की तरह चमक रहे थे। उस कहकशां में भी फ़िराक़ की चमक कहीं कम नहीं पड़ती है।

फिराक को शायरी की प्रेरणा पिता मुंशी गोरख प्रसाद से भी मिली। बचपन के चमकते-दमकते वैभव के बावजूद उनकी नजरें हमेशा जमीन की ओर देखती रही। उनकी जिन्दगी और रचनाओं का सफर न केवल रोचक रहा, बल्कि प्रेरणा का स्त्रोत भी रहा। वे साहिर, इकबाल, फैज, तथा कैफी आजमी से अत्यधिक प्रभावित हुए। रामकृष्ण परमहंस की कहानियों से आरंभ करने के बाद उन्होंने अरबी, फारसी और अंग्रेजी में शिक्षा ग्रहण की। सन् 1917 में डिप्टी कलेक्टर के पद के लिए चुने गए परंतु महात्मा गांधी के स्वराज्य आंदोलन में भाग लेने के लिए उन्होंने 1918 में पद से त्यागपत्र दे दिया। 1920 में स्वाधीनता आंदोलन में भाग लेने के कारण उनको डेढ़ वर्ष की जेल की यात्रा सहन करनी पड़ी। वे इलाहाबाद विश्वविद्यालय में अंग्रेजी के प्राध्यापक भी रहे। उनका कहना था कि उर्दू केवल मुसलमानों की भाषा नहीं है बल्कि आम भारतवासियों की भाषा है। पंडित जवाहरलाल नेहरू उनकी इस सोच से अत्यधिक प्रभावित हुए, नेहरू ने फिराक को जेल से छूटने के बाद अखिल भारतीय कांग्रेस के कार्यालय में अन्डर सेक्रेटरी बना दिया। इंदिरा गांधी भी उनको बहुत सम्मान देती थी और उनको राज्यसभा में भेजना चाहती थी। लेकिन उन्होंने राज्यसभा जाने से इंकार कर दिया।

फिराक अपनी हाजिर जवाबी की वजह से फिराक काफी मशहूर थे। उनका बातचीत का लहजा इतना चुटीला होता था कि एक बार कोई उनके पास बैठ जाए तो उठता नहीं था। वह जो भी बोलते थे, बेधड़क बोलते थे और अंदाज ऐसा कि महफिल ठहाकों में भर उठती थी। वे जिन्दादिल इंसान थे तो चित्रता में मित्रता के प्रतीक थे। स्वभाव में एक औलियापन है, फक्कड़पन है और अलमस्त अंदाज है। किसी को उनका व्यक्तित्व भाया तो किसी को वह बिल्कुल पसंद नहीं आए लेकिन उनके शेरों की कद्र हर किसी ने पूरी तबीयत से की। उनका लोहा तब भी जग ने माना और आज भी मान रहा है। वे सदियों तक इसी तरह अपनी शायरी के कारण जीवंत बने रहेंगे।

फिराक की जिंदगी का ज्यादातर हिस्सा इलहाबाद बीता। और यहीं से वे शोहरत की बुलंदियों पर पहुंचे। इलाहाबाद में फिराक, महादेवी वर्मा और निराला को मिलाकर उस दौर के साहित्य की दुनिया की त्रिवेणी बनती थी। उनकी अनौपचारिक संगोष्ठियों में अंग्रेजी के विद्वानों के साथ-साथ तुलसी, कालिदास और मीर के पाठ भी समानांतर चलते थे। उनके आवास लक्ष्मी निवास पर साहित्यकारों की खूब महफिल सजती थी। महफिल सजाने वालों में कथा सम्राट मुंशी प्रेमचन्द भी शामिल थे। फिराक भरी-पूरी संभावनाओं का नाम रहा है, जहां साहित्य की अनेक सरिताएं प्रवहमान रही हैं। फिराक तबीयत से भले ही हर किसी को बागी नजर आए लेकिन उनकी शायरी सहज थी। उनके शेरों में संवेदनाएं, नेकदिली और जिंदादिली का अहसास कोई भी कर सकता है। उर्दू गजल के पारंपरिक अंदाज में बिना किसी छेड़छाड़ के नए लहजे की शायरी की जो अद्भुत मिसाल उन्होंने पेश की, उससे शायरी के कँद्रदानों के अलावा मशहूर शायर भी उनके कायल हो गए।

निदा फाजली जैसे शायर ने तो शायरी की दुनिया में गालिब और मीर के बाद फिराक को तीसरे पायदान पर रखा है। सूर्यकांत त्रिपाठी निराला और महादेवी वर्मा जैसे साहित्यकारों के सान्निध्य में उन्होंने अपनी शायरी को ऊंचाई दी। पद्मश्री अली सरदार जाफरी ने फिराक को उर्दू शायरी की नई आवाज करार दिया। जोश मलीहाबादी ने कहा कि फिराक उर्दू के उस्ताद शायरों में एक बड़े नामवर गोशे के मालिक हैं। साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. विश्वनाथ तिवारी ने फक्कड़, मूडी, गुस्सैल आदि अनेक परिचय के धनी फिराक को शायरी के दुनिया का बेताज बादशाह कहा है। यही कारण है कि मिर्जा गालिब और अमीर खुसरो की तरह ही फिराक गोरखपुरी के जीवन पर भी कई फिल्में बन चुकी हैं। एक फिर फिल्म गवर्नमेंट आफ इंडिया के फिल्म डिविजन ने भी बनाई है।

फिराक के जीवन पर कई किताबें भी लिखी गई हैं। उनकी स्वयं की अनेक पुस्तक हैं, जिनमें प्रमुख हैं- गुल-ए-नगमा, बज्म-ए-जिंदगी, रंगे शायरी, मशअल, रूह-ए-कायनात, नग्मा-ए-साज, गजलिस्तान, शेरिस्तान, शबनमिस्तान, रूप, धरती की करवट, गुलबाग, रम्ज व कायनात, चिरागा, शोअला व साज, हजार दास्तान, हिंडोला, जुगनू, नकूश, आधी रात, परछाइया और ताराना-ए-इश्क, सत्यम शिवम सुंदरम। इसके अलावा फिराक ने एक उपन्यास 'साधु और कुटिया' तथा कई कहानियां भी लिखीं हैं। वे अनेक पुरस्कारों से सम्मानित हुए हैं- 1960 में साहित्य अकादमी अवार्ड, 1968 में साहित्य व शिक्षा के क्षेत्र में पद्मभूषण सम्मान, 1969 में गुल-ए-नगमा के लिए ज्ञानपीठ अवार्ड एवं 1969 में सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार। वे ऐसे लेखक एवं शायर हैं, जिनके जीवन की चादर पर सकारात्मकता, संवेदना एवं प्रेम के रंग बिखरे हुए है। फिराक दार्शनिक कवि-शायर हैं तो सनातन सत्य एवं जीवनमूल्यों को सहजता से उद्घाटित करने वाले जादूगर भी है। वे उर्दू नक्षत्र का ऐसा जगमगाता सितारा हैं, जिसकी रोशनी शायरी को सराबोर करती रहेगी, इस अलमस्त शायर की शायरी की गूंज हमारे दिल और दिमाग में हमेशा जिन्दा रहेगी। उनके पुण्यतिथि पर उन्हीं के शब्दों में कहें तो-

ऐ मौत आके खामोश कर गई तू,
सदियों दिलों के अन्दर हम गूंजते रहेंगे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

चांद दिखा, रमजान का पवित्र माह शुरू

औबेदुल्लागंज संवाददाता। - शनिवार को आसमान में रमजान का चांद नजर आ गया। जिसके बाद से रमजान का पवित्र माह शुरू हो गया है। शनिवार से ही जामा मस्जिद औबेदुल्लागंज में तरावीह की विशेष नमाज भी पढ़ी गई। रविवार को पहला रोजा रखा गया।मगरिब की नमाज के बाद आसमान में जैसे ही चांद नजर आया एक दूसरे को मुबारकबाद का सिलसिला शुरू हो गया। इशा की नमाज के बाद मस्जिदों और घरों में तरावीह शुरू हुई, जिसमें हाफिजों ने तरावीह में कुरान पढ़ी। रविवार को पहले रोजे के साथ एक महीने तक चलने वाले इस पाक माह की शुरुआत हुई है। इसके बाद शाहरी और इफ्तारी के समय बड़ोती होगी । इन्होंने बताया मस्जिदों में 21 और 27 दिन में की जाएगी कुरान की तकमील जामा मस्जिद सदर गुड्डू भाई ट्रांसपोर्ट, सलीम बाबा, सैयद अमीर मामून मुस्लिम त्योहार कमेटी अध्यक्ष, आसिफ पठान मुस्लिम विकास परिषद अध्यक्ष, राजा सिद्दीकी अल्पसंख्यक मोर्चा मंडल अध्यक्ष, फरहान हसन, शदाब हसन, इरफान खान इत्यादि।

केके माली मित्र मंडली का हुआ गठन

सिरोंज। माली समाज के लोगों को मुख्य धारा से जोड़ने पुरानी कृतियों को समाप्त करने से लेकर सभी सामाजिक कार्यक्रम व्यवस्थित रूप से हो और विभिन्न आयोजनों में समाज के लोग सम्मिलित होकर उत्सव पूर्वक कार्य करें इस उद्देश्य को लेकर के के माली मित्र मंडी का गठन हुआ है। श्री माली ने बताया कि के के माली की मित्र मंडली का गठन शहर से निकलने वाली हर समाज की शोभायात्रा का स्वागत सत्कार बंधन अभिनंदन करने हेतु गठन किया गया श्रीमाली की मंडली द्वारा शहर में निकलने वाले हर समाज की शोभायात्रा चल समारोह धार्मिक सामाजिक कार्यक्रमों की निकलने वाली यात्राओं का स्वागत सम्मान उनकी मंडली द्वारा बाजार में किया जाएगा हर समाज के प्रति समर्पित श्रीमाली की मंडली ने यह प्रण लिया है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर प्रश्नोत्तरी एवं मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन

आष्टा। म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा वी.आई.टी भोपाल में विज्ञान दिवस के अवसर पर 28 फरवरी 2025 को विज्ञान प्रश्नोत्तरी एवं मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर देष के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक संस्थानों के वैज्ञानिको ने विद्यार्थियों को संबोधित किया, और बताया कि विज्ञान हमारे लिए क्यों आवष्यक है। प्रष्नोत्तरी एवं मॉडल प्रतियोगिता में पूरे सीहोर जिले से कई विद्यालयों के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। सी.एम. राइज़ स्कूल आष्टा के विद्यार्थियों ने भी इस प्रष्नोत्तरी एवं मॉडल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्षन किया। सी.एम. राइज शासकीय उत्कृष्ट उमावि आष्टा के प्राचार्य सितवत खान ने बताया कि प्रतिवर्ष 28 फरवरी को रमन प्रभाव की खोज के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। केन्द्र सरकार ने 1986 में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था। इसी दिन सर सी.वी. रमन ने रमन प्रभाव की खोज की घोषणा की थी, जिसके लिए उनकों 1930 में भौतिकी के नोबल पुरूस्कार से सम्मानित किया गया। दैनिक जीवन में विज्ञान के महत्व को प्रोत्साहित करने और मानवता के कल्याण के लिए वैज्ञानिक क्षेत्र में विभिन्न गतिविधियों, प्रयासो और उपलब्धियों को व्यक्त करने के लिए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष 2025 का राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय ''विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैष्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सषक्त बनाना'' हैं।

नन्हे मुन्नों ने स्वच्छता मिशन पर लोगों को किया जागरुक

छतरपुर। शहर के लोकनाथ पुरम में संचालित विद्या निकेतन प्री स्कूल का पहला वार्षिक उत्सव शुक्रवार शाम शहनाई गार्डन में आयोजित किया गया। वार्षिक उत्सव में स्कूल के बच्चों ने अनेक रंगारंग प्रस्तुतियां देकर खूब तालियां बटोरीं। वार्षिक उत्सव में नर्सरी क्लास के बच्चों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशभर में चलाए जा रहे स्वच्छता मिशन पर केंद्रित गीत गाड़ी वाला आया पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुति देकर साफ सफाई का संदेश दिया गया। बच्चों ने मध्य प्रदेश गान सुख का दाता, सबका साथी पर नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति दी। सबसे पहले लूंगा मम्मी डैडी का नाम गीत से बच्चों ने माता पिता के स्थान के बारे में बेहतरीन प्रस्तुति देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। मां सरस्वती और भगवान श्रीगणेश का पूजन और दीप प्रज्जवलन कर डॉ हरि सिंह घोष, वरिष्ठ पत्रकार हरि प्रकाश अग्रवाल और रामकिशोर अग्रवाल ने वार्षिक उत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अतिथियों ने स्कूल और बच्चों की उन्नति की कामना की। हरि प्रकाश अग्रवाल ने अभिभावकों को यह विश्वास दिलाया कि इस संस्था में उनके बच्चे न केवल शिक्षित बल्कि संस्कारवान बनेंगे। मासूम बच्चों ने नृत्य कर गणेश वंदना की प्रस्तुति की। नन्ही बच्चियों द्वारा वेलकम सॉन्ग स्वागत है दिल से आपका प्रस्तुत कर अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर अभिभावकों से भारतीय संस्कृति से संबंधित सवाल पूछकर बच्चों का ज्ञान बढ़ाने का अनूठा प्रयास भी किया गया। स्कूल की एक वर्ष की गतिविधियों को एलईडी स्क्रीन के माध्यम से सबके समक्ष प्रस्तुत किया गया।

सांसद राहुल सिंह लोधी ने मेडीकल कॉलेज के निर्माण कार्यों का लिया जायजा

दमोह । सांसद राहुल सिंह लोधी ने भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर के साथ आज निर्माणाधीन मेडीकल कॉलेज का जायजा लिया। उन्होंने नर्सिंग बिल्डिंग, केंटीन, प्ले ग्राउंड, डॉक्टर्स के क्वाटर्स, छात्रावास आदि निर्माण कार्यो का जायजा लिया। इस अवसर पर संबंधित अधिकारियों सहित निर्माण एजेंसी के अधिकारीगण मौजूद थे।

सांसद राहुल सिंह लोधी ने कहा आज मेडीकल कॉलेज का आकार जो बनते देख रहे है। चाहे वह नर्सिंग बिल्डिंग, कैंटीन, प्ले ग्राउंड, डॉक्टर के क्वाटर्स का कार्य तेज गति से चल रहा है। उन्होंने कहा केन्द्र सरकार और मध्यप्रदेश सरकार की यह बहुत बड़ी योजना है, उन्होंने कहा कि यह मेरे राजनीतिक जीवन कि यह बड़ी उपलब्धि है। यह मेडीकल कॉलेज संपूर्ण दमोह जिले के लिये, पन्ना, बड़ा मलहरा, बक्सवाहा के लिये मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा 6 माह पहले देखने के लिये आये थे, तब से काम की गति बहुत तेज है, इसी दिसम्बर तक यह कार्य पूरा हो जायेगा। यहां पर बहुत तेजी से काम चल रहा है। समय-समय पर अधिकारियों से साथ यहां की मॉनिटरिंग कर रहे है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी, केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिपार कल्याण मंत्री श्री जेपी नड्डा, और पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्रम मंत्री प्रहलाद पटैल और पूरी केन्द्र और राज्य सरकार को बधाई देते हुये कहा, सभी के प्रयास से दमोह को एक बहुत बड़ी उपलब्धि मिलने वाली है। जो निश्चित ही आने वाले समय में स्वास्थ्य के क्षेत्र में दमोह जिले के लिये बहुत लाभकारी होगा।

सांसद राहुल सिंह ने कहा इसके बनने से मेडीकल क्षेत्र के अलावा भी और रोजगार मिलेंगे जैसे साफ-सफाई करने वालों को, और भी अन्य लोगों को क्योंकि जब कोई बड़ा उद्योग या कॉलेज आता है, तो निश्चित ही रोजगार मिलते है। मुख्य बात यह है कि सभी को स्वास्थ्य लाभ मिलेगा, अभी लोगों को सागर और जबलपुर जाना पड़ता है, लेकिन जब मेडिकल कॉलज बन जायेगा तो आस-पास के क्षेत्र से जो लोग यहां इलाज करवाने के लिये आयेंगे, उन्हें यहां पर स्वास्थ्य लाभ मिलेगा और साथ ही वह यहां पर रूकेंगे तो अन्य लोगों की भी इससे आय होगी।

मेडिकल कॉलेज की पहली बैच प्रारंभ हो जाए, यह सभी का लक्ष्य है, इसी लक्ष्य के साथ हम सभी कार्य कर रहे हैं। गुणवत्ता की जांच भी लगातार चल रही है, ताकि गुणवत्ता के साथ किसी तरह का समझौता न हो और इसको हम लगातार निरीक्षण करेंगे ताकि कार्य समय पर पूरा हो और यहां पर पानी की व्यवस्था के लिए हमने प्रपोजल राज्य सरकार को भेज दिया है, पूरी उम्मीद है कि जल्द ही एक रिवाईस सेंक्शन मिल जाएगी जिससे पानी की समस्या यहां पर नहीं आएगी। आने वाले समय में जल निगम के माध्यम से पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जायेगी।

संघ वही जो संगटित एवं एकजुट होकर सभी को साथ लेकर चलेः सरल भदौरिया

म प्र श्रमजीवी पत्रकार संघ की ब्लॉक इकाई की घोषणा

ओबेदुल्लागंज (संवाददाता)। मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ ब्लाक इकाई ओबेदुल्लागंज की बैठक स्थानीय विंध्याचल रिसॉर्ट में 1 मार्च को आयोजित की गई। म प्र श्रमजीवी पत्रकार संघ प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष सरल भदौरिया, जिला अध्यक्ष भोपाल जतिन मिढोरे, रायसेन जिला अध्यक्ष राहुल राठौर, अध्यक्षता में बड़ी संख्या में श्रमजीवी पत्रकार संघ के सदस्य साथियों ने सहभागिता निभाई एवं मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की बैठक आयोजित की गई। संघ वही जो संगटित एवं एकजुट होकर सभी को साथ लेकर चले और पत्रकार को निडर, निष्पक्ष, होकर जनहित के मुद्दों को जनता के बीच पब्लिक डोमेन में लाये। साथ ही समाज में सकारात्मक माहोल बने। बैठक में प्रदेश सहित जिला स्तर के अधिकारी उपस्थित रहे बैठक में मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की ब्लाक पदाधीकारियों की घोषणा की गई । म प्र श्रमजीवी पत्रकार संघ ब्लाक इकाई ओबेदुल्लागंज के संरक्षक-रामगोपाल साहू, ब्लाक अध्यक्ष-मोहन योगी, ब्लॉक उपाध्यक्ष-सुरेश केवट, हरनाम ठाकुर सचिव - प्रेमनारायण सोनी, महामंत्री- विजी लवानिया, प्रवक्ता - सतेंद्र पांडे, प्रवक्ता- अजय मालवीय, कोषाध्यक्ष- राजेश सैनी, सलाहकार- राजीव जैन एवं प्रीतम राजपूत सहित दर्जन भर कार्यकारिणी सदस्यों की घोषणा की गई।

प्रभारी कलेक्टर ने किया प्रधानमंत्री जनमन आवास का निरीक्षण

मंडला। प्रभारी कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट ने मंडला विकासखंड के ग्राम सेमरखापा में प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत निर्मित आवासों का निरीक्षण किया। उन्होंने पूर्ण और अपूर्ण दोनों प्रकार के आवासों का जायजा लेते हुए योजना के क्रियान्वयन की प्रगति का आकलन किया। प्रभारी कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत ने निर्देशित किया कि आवास निर्माण कार्य में तेजी लाते हुए निर्माण कार्यों में गुणवत्तायुक्त सामग्रियों का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि सभी पात्र लाभार्थियों को समय पर आवास उपलब्ध कराए जाएं। इस दौरान प्रभारी कलेक्टर ने हितग्राहियों से चर्चा करते हुए उनकी समस्याओं का समाधान किया। प्रभारी कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत ने अधिकारियों को योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। प्रभारी कलेक्टर और सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट ने शनिवार को मंडला विकासखंड के विभिन्न ग्रामों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम सेमरखापा में निर्माणाधीन ग्राम पंचायत भवन के निर्माण कार्यों का जायजा लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। प्रभारी कलेक्टर ने निर्देशित किया कि निर्माण कार्य की गुणवत्तायुक्त सामग्री का उपयोग। साथ निर्माण कार्य को समय सीमा पूर्ण करना सुनिश्चित करें। इस दौरान उन?होंने अन्य विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया।उन्होंने अधिकारियों को विकास कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपयंत्री सहित संबंधित उपस्थित थे।

गौ आधरित उत्पादों को बढ़ावा देने हेतु नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में पशुपालन एवं डेयरी केंद्रीय राज्य मंत्री शामिल हुए

नरसिंहपुर । विज्ञान भवन, नई दिल्ली में जायोजित भारतीय जीव-जंतु कल्याण बोर्ड के प्राणी मित्र और जीव दया पुरस्कार समारोह में ग्लोबल कन्फेडरेशन ऑफ काउ-बेस्ड इंडस्ट्रीज (जीसीसीआई) ने अपने विशेष गौ-आधारित उद्योगों और उत्पादों के स्टॉल के साथ भाग लिया। इस अवसर पर राज्य मंत्री, पशुपालन एब डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार, प्रो. एस. पी. सिंह बघेल और जॉर्ज कुरियन ने जीसीसीआई के स्टॉल का दौरा किया और गौ-आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने की इस अनूठी पहल की सराहना की।

जीओसीआई के स्टॉल पर गौशालाओं की आत्मनिर्भरता के लिए विकसित विभिन्न गौ-आधारित उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। इसमें गौ मूत्र और पंचगव्य से बने जैविक उत्पाद, प्राकृतिक खाद, धूपबत्ती, दीपक, स्वारध्या सौंदर्य उत्पाद और अन्य पर्यावरण अनुकूल वस्तुएं शामिल थी। आगंतुकों ने विशेष रूप से गौ-आधारित स्वदेशी नवाचारों में गहरी रुचि दिखाई।मुलाकात के दौरान राज्य मंत्री, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार प्रो. एस. पी. सिंह बघेल और श्री जॉर्ज कुरियन ने कहा कि गौ-आधारित उद्योग भारत की अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और कृषि को मजबूती देने का सशक्त माध्यम बन सकते हैं। उन्होंने जीसीसीआई की इस पहल को गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए सराहना की और गौ-उत्पादों के प्रसार को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया।

जीसीसीआई के निर्देशक मितल खोताणी ने इस अवसर पर कहा, %गौ-आधारित उत्पाद न केवल पर्यावरण के लिए लाभदायक है, बल्कि यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सतत विकास का भी आधार है। हमें गर्व है कि जीसीसीआई के प्रयासों को ग्लोबली मंच पर मान्यता मिली है। उन्होंने सभी नागरिकों से गौ-आधारित उद्योगों को अपनाने और इस महल को समर्थन देने की अपील की।जीसीसीआई आगे भी गौआधारित उद्योगों के विकास, जागरूकता अभियानों और अनुसंधान कार्यों को बढ़ाया देने के लिए प्रयासरत रहेगा। इस तरह की प्रदर्शनियों और आयोजनों के माध्यम से गौ-सेवा को एक आत्मनिर्भर आआंदोलन बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। यह आयोजन गौ-कल्याण और सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। जीसीसीआई इस सफल आयोजन के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री , राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के अध्यक्ष , जी सी सी आई के संस्थापक गौ प्रेमी डाक्टर बल्लभ भाई कथारिया ने और उनकी टीम ने बोर्ड ओर भारत सरकार का आभार व्यक्त करता है।अधिक जानकारी के लिए जीसीसीआई निर्देशक मित्तल खेताणी मो. 98242 21999 एवं तैजस चोटलिया मो. 94269 18900, मीनाक्षी शमां मो. 83739 09295 से संपर्क करने के लिए कहा गया है। उक्त जानकारी मानद पशु कल्याण प्रतिनिधि , प्रेस संयोजक मीडिया प्रभारी जी सी सी आई भागीरथ तिवारी ने देते हुए कहा कि प्राणी मित्र ,जीव दया पुरस्कार प्रदान करने के अवसर पर बड़ीवसंख्या में बोर्ड के पदाधिकारी सहित मानद पशु कल्याण प्रतिनिधि के साथ साथ,जीव जंतु , गौ पर्यावरण प्रेमी भी उपस्थित रहे।

धोबाटोरिया विभाग की सांठ-गांठ के चलते बढ़ रहा अतिक्रमण

विभागीय जिम्मेदार अधिकारी कर रहे शासकीय भूमि का सौदा

मंडला/अजीत पटेल। जिले में अतिक्रमण का व्यवसाय जोरों पर चल रहा है इसमें दो मत की बात नहीं।अतिक्रमण का यह व्यवसाय भी चेहरा देखकर चलाया जा रहा है, जिसमे सबसे पहले अतिक्रमणकारियों को राजनीति का चोला पहनना पड़ता है।जिसका जीता-जागता सबूत है जिला मुख्यालय के नजदीक विकासखंड मण्डला अंतर्गत ग्राम पंचायत सेमरखापा जहां अतिक्रमणकारियों द्वारा आये दिन शासकीय भूमि पर स्थाई कब्जा किया जा रहा है। मामले को लेकर अनेकों दफा जिम्मेदारों से शिकवा-शिकायत की गई, परन्तु जिम्मेदारों ने उस शिकायत को अपनी आय का जरिया बना लिया है जिसे कार्यवाही की धोंस तथा जांच के चादर के नाम पर अच्छी-खासी मोटी रकम वसूल किया जाता है।

जिला मुख्यालय के नजदीक ग्राम पंचायत सेमरखापा में शासन-प्रशासन का एक अनोखा मामला सामने आया है जहां प्रशासनिक अमला अपनी तिजोरी भरने की चाह में अतिक्रमणकारियों के साथ रिश्तेदारी निभाकर उनके हौसले बुलंद होने का मुख्य कारण बन रहे है। जिम्मेदारों का कहना है कि हमारे रिटायरमेंट में साल-दो साल रह गए हैं इसलिए हमें रिश्तेदारों से मिल-जुलकर रहना होगा, मामले को लेकर जब जल संसाधन विभाग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी चंद्रशेखर धुर्वे के पास गए तो उनके द्वारा तो देश बेंचने वाला जवाब दिया गया। उन्होंने शिकायतकर्ता को कहा कि आप भी वहीं शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करके अपना मकान बना लीजिए तथा शिकायत को वापस ले लीजिए।

विभागीय लापरवाही तथा जिम्मेदारों के द्वारा अतिक्रमणकारियों को इस तरह खुलेआम संरक्षण प्रदान किया जाना,नतीजा विगत दिनों से ग्राम पंचायत सेमरखापा में धोबाटोरिया के नहर में खुलेआम तेजी से अतिक्रमण हो रहा है,ग्राम पंचायत सेमरखापा निवासी नेकल चन्द्रोल द्वारा खुलेआम धोबाटोरिया विभाग के नहर में अपना कब्जा कर पक्का मकान एवं दुकान बनाया गया है और वहीं प्रशासन रिश्तेदारी निभाने में मदहोश है।

धोबाटोरिया जलसंसाधन विभाग की इस लापरवाही और खुल्लम-खुल्ला किए जा रहे भ्रष्टाचारी का नतीजा आज अतिक्रमण कर व्यापार हेतू पक्का निर्माण कार्य करने का मामला सामने आया है, अतिक्रमण को लेकर, सरपंच, तहसीलदार, पटवारी को भी शिकायत की गई। नेकल चन्द्रोल, राहुल धनगर, प्रमोद चन्द्रोल तथा और भी (अतिक्रमणकर्ता) के मामले को लेकर इंजीनियर मुन्ना पटेल द्वारा स्पष्ट किया गया कि उनके द्वारा नौकरी से इस्तीफा दे दिया जाएगा, परन्तु कोई कार्रवाई नहीं किया जाएगा। तथा मुन्ना पटेल ने कहा कि अतिक्रमणकारी उनके रिश्तेदार हैं इसलिए उन पर कोई हस्तक्षेप नहीं किया जावे तथा उसके खिलाफ की गई शिकायत वापस लिया जाए।इसी संरक्षण और धोबिटोरिया विभाग की भ्रष्टाचारी के चलते अतिक्रमणकारियों के हौंसले बुलंद हो रहे हैं।मुख्य सड़क मार्ग के शासकीय भूमि पर कब्जा कर पक्की दुकान-मकान का निर्माण कर स्थाई कब्जा किया गया है।

मामले को लेकर पहले भी समाचार पत्रों में, लिखित तथा सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई गई है। उक्त मामले पर प्रकाशित समाचार एवं शिकायत को लेकर धोबाटोरिया विभाग के उपयंत्री मुन्ना पटेल से मामले को लेकर जब बात की गई तो मुन्ना पटेल ने भी स्पष्ट किया कि अतिक्रमणकर्ता नेकल चन्द्रोल भाजपा पार्टी कार्यकर्ता हैं और मेरा रिश्तेदार भी है।आला अधिकारियों की यह चुप्पी शासकीय भूमि को बेचने तथा भ्रष्टाचार का साक्ष्य प्रदर्शित करता है।

कांग्रेस और नपा अध्यक्ष पशु वध केंद्र खोलना चाहती थी जनता के विरोध के कारण यह अपना निर्णय बदलने मजबूर हो गई, यह जनता की जीत है

दमोह । भारतीय जनता पार्टी के नगर पालिका दमोह के पार्षद गणों ने जिला उपाध्यक्ष रमन खत्री, नेता प्रतिपक्ष विजय जैन, कपिल सोनी, यशपाल सिंह, नितिन चौरसिया, अमित त्यागी, मनीष शर्मा, भाजपा मीडिया प्रभारी राघवेंद्र सिंह परिहार, सह प्रभारी महेन्द्र जैन विवेक सेन, विवेक अग्रवाल, सतीश जैन, मोनू राजपूत, टोनी राय, साधना तिवारी, हिमानी पारोचे, संजय कुशवाहा की उपस्थिति में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया जिसमें कॉग्रेस शासित नगर पालिका दमोह द्वारा दमोह में पशु वध केंद्र खोलने के संबंध में प्रस्ताव पर विस्तृत जानकारी दी। रमन खत्री ने कहा कि कॉग्रेस शासित नगर पालिका ने बहुत ही षड़यंत्र पूर्ण तरीके से नगर पालिका परिषद के सम्मेलन में पशु वध केंद्र में माननीय उच्च न्यायालय में दायर रिट याचिका क्र. 28057/2024 मुर्रसलीम कुरैशी विरूद्ध मप्र शासन एवं अन्य में पारित आदेश दिनांक 4.12.2024 के निर्णय की सूचना परिषद के सम्मेलन में जोड़ी गई। यह इनकी चाल है यह पशु वध केंद्र खोलने के पक्ष में थे भाजपा और जनता के विरोध के कारण ये अब अपने ही निर्णय से पलट गये हैं। यह जनता की जीत हैं। नेता प्रतिपक्ष विजय जैन ने कहा कि 25 फरवरी 2025 को नगर पालिका परिषद का जो सम्मेलन बुलाया गया वह नगर पालिका उपाध्यक्ष सुषमा विक्रम सिंह के लेटर हेड पर जो सम्मेलन बुलाने की मांग की गई थी परंतु सम्मेलन में उपाध्यक्ष के द्वारा दिए गए सुझाव और बिंदुओं पर विचार नहीं किया गया केवल अध्यक्ष के द्वारा सम्मिलित बिंदु ही रखे गए इससे यह स्पष्ट होता है कि नगर पालिका अध्यक्ष की कार्यप्रणाली तानाशाह हैं।

खाली प्लाटों में जमा हो रही गंदगी मच्छरों का बड़ा प्रकोप

मलेरिया तेजी से पसार रहा पैर , प्रशासन बेखबर

सिरोंज। इन दोनों मच्छरों आतंक अधिक होने से नगर वासियों को कठिनाइयां का सामना करना पड़ा है अवैध कॉलोनी में रहने वालों की तो मुश्किल बड़ी हुई है।खाली प्लेटों में महीनों से गंदा पानी और गंदगी भरी हुई है नाले नालियों की साफ सफाई नियमित रूप से नहीं होने से इनकी संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही समय रहते मच्छरों के प्रकोप से बचाने के लिए धरातल पर नगर पालिका प्रशासन कदम नहीं उठाएगी तो आने वाले दिनों हालत और भी विकराल रुप ले सकते हैं। मौसम में बदलाव के बाद मच्छरों की वृद्धि होती है इसकी जानकारी नगर पालिका प्रशासन के अधिकारियों से लेकर के अमले को होती है उसके बाद समय पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसी के दुष्परिणाम इन दिनों नगरवासियों को उठाने पड़ा रहे है। मच्छरों के काटने से लोग मलेरिया की बीमारी से पीड़ित हो रहे है गरीबों के पास इलाज करने के लाले पड़े हुए हैं। वहीं पहले भी लापरवाही के कारण डेंगू के मामले तेजी से बढ़ गए थे अभी भी समय पर ध्यान नहीं दिया तो हालत में से ही बन जाएंगे।वही मच्छरों से बचने के लिए धरातल पर नगर पालिका परिषद ने कार्य नहीं किया तो सभी को दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा इसके बचाव के लिए फॉगिंग से लेकर जिन स्थानों पर गंदगी जमा हो रही है उसको निकलवा कर वहां पर साफ सफाई करवा कर दवाई का छिड़काव भी करवाना होगा गंदगी से भारी पड़े नाले नालियों की भी अच्छे सफाई करवानी होगी यह काम भी निमित्त रूप से हो इसका ध्यान भी जिम्मेदार अधिकारियों को रखना होगा तभी परिवर्तन होगा खानापूर्ति के लिए काम ना हो। पालिका के जिम्मेदारों अधिकारियों कर्मचारियों को पूरे शहर की गली मोहल्ले में फॉगिंग भी अच्छे से करनी होगी जिन स्थानों पर मच्छर पनपन के हालात बन रहे हैं उन स्थानों पर दवाई डलवा कर उनकी सफाई भी धरातल पर एक तरफ से करवानी होगी तभी इनकी रोकथाम हो पाएगी नहीं तो हालात बेकाबू हो सकते हैं। दूसरी और अभी दिन के तापमान में वृद्धि हो रही है आने वाले दिनों में जब रात्रि के तापमान में वृद्धि होगी तो मच्छरों का प्रकोप और भी ज्यादा परेशान करेगा। बड़े लोग तो जैसे तैसे मच्छरों से बचने के इंतजाम कर लेते हैं गरीब वर्ग के लोगों को मच्छरों से बचने के इंतजाम करना भी मुश्किल हो रहा है । गरीब बस्तियों में रहने वाले लोग मच्छरों के काटने से मलेरिया जैसी बीमारी से पीड़ित हो रहा है इलाज करवाने में उनकी हालत खराब हो रही है।

अस्पताल में भी मरीज की संख्या में वृद्धि हो रही है कई लोगों के हालात इतने ज्यादा अच्छे नहीं कि वह मलेरिया का प्राइवेट में इलाज कर सके इस वजह से कई लोग मलेरिया से पीड़ित होने के बाद भी उपचार नहीं कर पा रहे हैं। मच्छरों से मुक्ति दिलाने के लिए नगर पालिका प्रशासन के द्वारा समय रहते धरातल पर कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। इसके चलते नगर वासियों को मलेरिया से लेकर डेंगू जैसी बीमारी के प्रकोप का सामना करना पड़ा है ।

अवैध कॉलोनी में रहने वाले के हल बेहाल

दूसरी ओर अधिकांश अवैध कॉलोनी में नगरपालिका के द्वारा साफ सफाई से लेकर फागिंग भी कभी नहीं कराई जाती है इस वजह से इनमें रहने वाले लोगों की और भी ज्यादा परेशानियां बड़ी हुई है घरों से निकलने वाली गंदगी खाली प्लाटों में जमा हो रही है मच्छरों का प्रकोप यहां और अधिक दिखाई दे रहा है। वैसे मच्छरों से बचाने के लिए नगर पालिका प्रशासन को यहां भी साफ सफाई करवा कर फॉगिंग करवानी चाहिए क्योंकि इन कॉलोनी में रहने वाले के प्लाटों के नामांतरण करके विकास शुल्क बी नगर पालिका परिषद ले रहा है तो सुविधा भी उसके बदले में मिलनी चहिए

इनका कहना है ।

कुछ दिनों से मच्छर इतने अधिक होने गए हैं कि इनसे बचपन मुश्किल है मलेरिया की बीमारी से पीड़ित हो रहे हैं नगर पालिका को मच्छरों को से बचाने के लिए कदम उठाने चाहिए। मोहित शर्मा नगर वासी मच्छरों से बचाव के लिए शहर में फागिंग नियमित रूप से प्रारंभ करवाते हैं।

रामप्रकाश साहू
मुख्य नगरपालिका
अधिकारी सिरोंज

अब सिनेमा हॉल में एड से मिलेगा छुटकारा, एमपी हाईकोर्ट ने दिए ये निर्देश

भोपाल। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ के निर्देश के बाद सिनेमा प्रेमियों के चेहरे खिल उठे हैं। हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश में कहा है कि सभी सिनेमा हॉल में फिल्म के शो का सही समय टिकट पर मेंशन होना चाहिए। इसके अलावा, कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि दर्शकों को विज्ञापन देखने के लिए जबरन मजबूर नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने निर्देश दिए हैं कि सिनेमा टिकट पर फिल्म के शो का सही समय स्पष्ट रूप से लिखा होना चाहिए। इससे दर्शकों को यह पता चलेगा कि फिल्म कब शुरू होगी और वे अपने समय का बेहतर उपयोग कर सकेंगे। साथ ही 15 से 20 मिनट एड देखने से बचेंगे। सिनेमा हॉल में फिल्म के शुरू होने से पहले दिखाए जाने वाले विज्ञापनों के बारे में कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि दर्शकों को इन्हें देखने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। फिलहाल, दर्शकों को 15 से 20 मिनट तक सिर्फ विज्ञापन ही देखने होते हैं, जो कई बार उन्हें खराब अनुभव देता है।

कोर्ट ने यह भी सुझाव दिया कि सिनेमा हॉल संचालन से संबंधित नियमों में बदलाव की जरूरत है, ताकि दर्शकों को बेहतर अनुभव मिल सके। इन बदलावों से सिनेमा हॉल में दर्शकों की शिकायतों में कमी आएगी और उन्हें अधिक सुविधा मिलेगी।

वर्तमान में, कई थिएटरों में शो का समय सही ढंग से नहीं बताया जाता है। जिससे दर्शक 15 से 20 मिनट तक केवल एड ही देखता है। इसके बाद फिल्म शुरू होती है। अब यह निर्णय सिनेमा प्रेमियों के लिए एक बड़ी राहत लेकर आया है। अब दर्शकों को ना केवल फिल्म के सही समय का पता चलेगा, बल्कि विज्ञापनों की जबरदस्ती से भी मुक्ति मिलेगी।

रिजर्व बैंक ने 2000 रुपये के नोट को लेकर दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा है कि प्रचलन में रहे 2,000 रुपये के 98.18 परसेंट नोट बैंकिंग सिस्टम में वापस आ गए हैं. अब केवल 6,471 करोड़ रुपये के ऐसे नोट जनता के पास है. शनिवार को जारी एक स्टेटमेंट में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने 2,000 रुपये के नोटों की स्थिति के बारे में जानकारी दी. 19 मई, 2023 को 2000 रुपये के बैंक नोट को प्रचलन से वापस लेने की घोषणा की थी. उस वक्त प्रचलन में इन नोटों का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपये था. 28 फरवरी, 2025 तक यह आंकड़ा तेजी से घटकर 6,471 करोड़ रुपये रह गया है. 7 अक्टूबर, 2023 तक आप बैंक के ब्रांच में जाकर 2,000 रुपये के नोट बदल सकते थे या जमा कर सकते थे, लेकिन अब जिनके भी पास यह नोट है वे रिजर्व बैंक के 19-निर्गम कार्यालयों में जमा कर सकते हैं. आरबीआई के निर्गम कार्यालय 9 अक्टूबर, 2023 से व्यक्तियों और संस्थाओं से उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए 2000 रुपए के नोट स्वीकार कर रहे हैं. देश की जनता के लिए इस प्रॉसेस को और बनाने के लिए लोग किसी भी डाकघर से भारतीय डाक के माध्यम से भी रिजर्व बैंक के इन कार्यालयों को 2000 रुपये के नोट भेजने की भी सुविधा शुरू की गई है, जिन्हें बाद में उनके खातों में जमा करा दिया जाएगा. रिजर्व बैंक ने बताया कि प्रचलन से वापस लिए जाने के बावजूद 2,000 रुपये के बैंक नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे.

महिन्द्रा युनिवर्सिटी ने पीएमआई पर्ल सिटी चैप्टर की मेजबानी की

हैदराबाद/नई दिल्ली, एजेंसी। महिन्द्रा युनिवर्सिटी ने अपने परिसर में पीएमआई पर्ल सिटी चैप्टर (पीएमआईपीसीसी) के साथ मिलकर इंटरनेशनल स्टूडेंट लीडरशिप डे (आईएसएलडी) की मेजबानी की। इस आयोजन में नेतृत्व, प्रोजेक्ट मैनजमेंट और नवप्रवर्तन की संभावना तलाशने के लिए 134 से अधिक विद्यार्थी, शिक्षक और उद्योग पेशेवर शामिल हुए। सम्मेलन में डाक्टर बिष्णु पाल, डीन एकैडमिक्स, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, महिन्द्रा युनिवर्सिटी, डाक्टर प्रदीप रछेरला, असिस्टेंट डीन, प्रोफेसर (मार्केटिंग), स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, महिन्द्रा युनिवर्सिटी, डाक्टर पेंड्याल किरणमई दत्त, बोर्ड सदस्य, यूनाइटेड वे, हैदराबाद और श्री मनोहर येरागुंटला, अध्यक्ष पीएमआईपीसीसी और अमार राजा ग्रुप के पीएमओ समेत प्रतिष्ठित वक्ताओं ने व्याख्यान और प्रस्तुतियां दीं। साथ ही इन्होंने नेतृत्व की विशेषताएं, मानव-एआई गठबंधन और टिकाऊपन की चुनौतियां जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विद्यार्थियों से बातचीत की। श्री येरागुंटला ने विद्यार्थियों के समक्ष स्पार्क रूपरेखा- स्वयं या नेतृत्व पेश की और इस बात पर जोर दिया कि नेतृत्व प्रभाव के बारे में है ना कि खिताब के बारे में। एक जबरदस्त परिचर्चा में विशेषज्ञों ने नेतृत्व में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की उभरती भूमिका को रेखांकित किया।

ट्रैजेक्टरी और रितेश अग्रवाल की साझेदारी से स्टार्टअप्स को मिलेगा नया बल

मुबई, एजेंसी। सभी के लिए आराम को सुलभ बनाने के उद्देश्य से, दिल्ली स्थित स्टार्टअप ट्रैजेक्टरी एर्गोनॉमिक कम्फर्ट प्रोडक्ट्स की दुनिया में नया बदलाव ला रहा है। इसे राघव महाजन और हिमांशु वर्मा ने शुरू किया था, जो पहले प्रोडक्ट डेवलपर रह चुके हैं। ट्रैजेक्टरी ने अपनी यात्रा एक साधारण स्लीपिंग बैग से शुरू की थी, और आज यह कंफर्ट सॉल्यूशंस का एक भरोसेमंद नाम बन चुका है। शो में आते ही ट्रैजेक्टरी के संस्थापकों ने 1 करोड़ रुपये की मांग रखी, जिसके बदले वे 2% इक्विटी देने को तैयार थे। इस प्रस्ताव ने शार्क्स की दिलचस्पी बढ़ा दी। अनुपम मित्तल ने सवाल किया कि जब बाजार में ऐसे कई प्रोडक्ट्स पहले से मौजूद हैं, तो उन्हें शार्क टैंक में आने की जरूरत क्यों पड़ी? वहीं, नमिता थापर ने ब्रांड के यूनिक वैल्यू प्रपोजिशन को लेकर अपनी जिज्ञासा जाहिर की। इस पर राघव और हिमांशु ने समझाया कि ट्रैजेक्टरी सिर्फ एक प्रोडक्ट नहीं, बल्कि एक इनोवेटिव ब्रांड है जो ग्राहकों की जरूरतों के हिसाब से आरामदायक समाधान देता है। काफी मोलभाव के बाद, ट्रैजेक्टरी ने शार्क रितेश अग्रवाल के साथ एक शानदार डील फाइनल की।

रॉयल एनफील्ड ने अपने स्पेयर्स लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को मजबूत किया

मुबई, एजेंसी। मिडसाईज़ मोटरसाईकल सेगमेंट (250सीसी-750सीसी) में ग्लोबल लीडर, रॉयल एनफील्ड ने भिवांडी (ठाणे) में अपना नया वेयरहाउस शुरू किया है। इस नए वेयरहाउस से पश्चिमी और मध्य भारत में ओरिज़िनल पार्ट्स की उपलब्धता बढ़ेगी और ज्यादा तेज सर्विस मिल सकेगी। यह वेयरहाउस महत्वपूर्ण स्थान पर स्थित होने के कारण महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और गोवा में रॉयल एनफील्ड के ग्राहकों तक स्पेयर पार्ट्स, ऑयल एवं ल्यूब्स पहुँचाने में कम समय लगेगा। यह नया वेयरहाउस 50,000 वर्गफीट क्षेत्र में फैला है, जिसमें 3,500 से अधिक एसकेयू का स्टॉक होगा। यह स्टॉक 310 से अधिक चैनल पार्टनरों की मदद से रॉयल एनफील्ड के लिए आवश्यक सामान एवं ओरिज़िनल पार्ट्स की मांग को ज्यादा प्रभावशाली तरीके से पूरा कर सकेगा। भिवांडी, ठाणे में स्थित यह नया वेयरहाउस मुंबई एयरपोर्ट से लगभग 45 किलोमीटर दूर है, इसलिए इसके द्वारा क्षेत्र में लॉजिस्टिक्स ज्यादा व्यवस्थित होकर रॉयल एनफील्ड के नेटवर्क में आफ्टरसेल्स सर्विस का टर्न अराउंड टाईम कम हो जाएगा।

ट्रेजर, ओबेराय ग्रुप खंडवा में बनाएगा लक्जरी रिसॉर्ट

सांची-खजुराहो में गोल्फ कोर्स रिसार्ट,अमेजन प्राइम, हालीवुड के प्रोजेक्ट होंगे शुरू

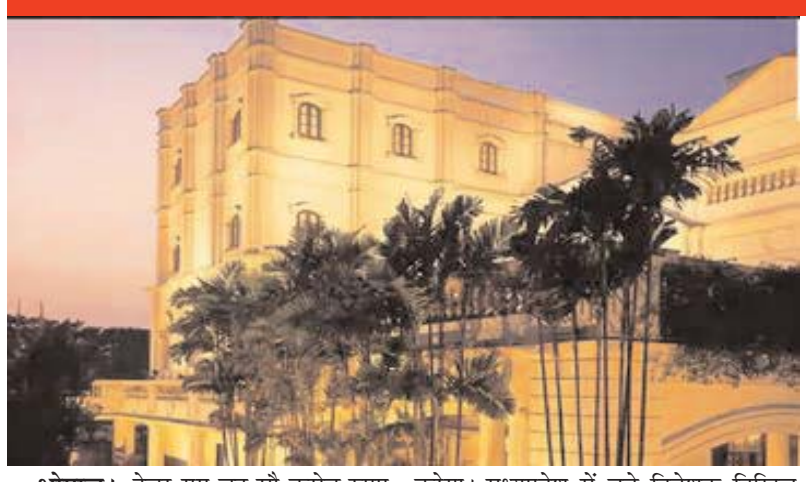

भोपाल। ट्रेजर ग्रुप छह सौ करोड़ रुपए का निवेश कर खंडवा जिले के नजरपुरा आईलैंड में लक्जरी रिसॉर्ट बनाएगा, खजुराहो में मिनी गोल्फ कोर्स एवं रिसॉर्ट तथा सांची में गोल्फ कोर्स एवं लक्जरी रिसॉर्ट बनाएगा। वहीं अमेजन प्राइम, हालीवुड प्रोजेक्ट, जी फाइव और अन्य निवेशक मिलकर मध्यप्रदेश में तीन सौ करोड़ रुपए खर्च कर नये प्रोजेक्ट शुरु करेंगे।

ट्रेजर समूह आने वाले समय में खंडवा जिले के नजरपुरा आईलैंड में लक्जरी रिसॉर्ट बनाएगा। दतला पहाड़ खजुराहों के समीप मिनी गोल्फ कोर्स भी समूह बनाएगा साथ ही यहां एक लक्जरी रिसार्ट भी बनाएगा। समूह सांची के पास भी एक गोल्फ कोर्स और लक्जरी रिसॉर्ट का निर्माण करेगा। इन सब पर ट्रेजर समूह छह सौ करोड़ रुपए खर्च करेगा। मध्यप्रदेश में बड़े निवेशक निखिल आडवाणी द्वारा रिवेल्यूशनरी अमेजन प्राइम सौ करोड़ खर्च कर इंदौर, खंडवा, खरगौन और महेश्वर में यूनिट शुरु करेगा। हालीवुड प्रोजेक्ट के तहत इंडिया टेक वन अस्सी करोड़ खर्च कर टीकममगढ़, ओरछा और चंदेरी में निर्माण करेगा। जीफाइव द्वारा हेनरी डी कुन्हा का रियलिटी शो अनटाइटल्ड भोपाल और सीहोर में 25 करोड़ रुपए खर्च कर शुरु किया जाएगा। वहीं आर्यन सक्सेना का प्रोजेक्ट अनटाईटल्ड थिएट्रिकल रिलीज आठ करोड़ से अनूपपुर और अमरकंटक में शुरु होगा। मध्यप्रदेश में सिनेमा हॉल के निर्माण और पुनर्निमाण के आठ प्रस्ताव भी नई नीति के तहत बुरहानपुर, कटनी, इंदौर, खजुराहो के लिए मिले है। इन पर 37 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा।

आईएचसीएल एमआरएस खोलेगे नई होटल्स

आईएचसीएल मध्यप्रदेश में विभिन्न नेशनल पार्क, भोपाल, एवं इंदौर में नौ होटल्स शुरु कर चुकी है। समूह अब इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर एवं पेंच में पांच नई इकाईयों की स्थापना करेगा। इसके लिए समूह मध्यप्रदेश में 1907 करोड़ रुपए खर्च करेगा।एमआरएस ग्रुप द्वारा महेन्द्र भवन पन्ना, क्योटी किला रीवा एवं सिंहपुर महल चंदेरी में डेढ़ सौ करोड़ रुपए खर्च कर लक्जरी बुटिक होटल विकसि किए जाएंगे। प्रमुख वैश्विक आतिथ्य कंपनी हिल्टन जबलपुर और भोपाल में 254 कमरों की दो इकाईयों शुरु करेगी। इस पर दो सौ करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। जहानुमा ग्रुप ऑफ होटल्स द्वारा अठारह करोड़ रुपए खर्च कर मांडू में एक नया प्रीमियम होटल शुरु करेगा। सकूह मध्यप्रदेश में चार इकाईयां संचालित कर रहा है। ओबेराय सामूह बांधवगढ़ में विंध्यविलास वन्य जीव रिसॉर्ट का सफल संचालन कर रहा हे अब 450 करोड़ रुपए खर्च कर राजगढ़ पैलेस खजुराहो में एक नई इकाई में निवेश शुरु करेगा। आईटीसी होटल प्राइवेट लिमिटेड ढाई सौ करोड़ रुपए खर्च कर लुनेरा कासेल हेरिटेज होटल आईटीसी धर एवं आईटीसी भोपाल का विकास करेगा। आईटीसी जबलपुर में वेलकम होटल आईटीसी का सफलतापूर्वक संचालन कर रहा है।

फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्रबंध समिति सदस्यों ने की व्यापार पर चर्चा

भोपाल। फेडरेशन आफ मध्यप्रदेश चेम्बर्स आफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री (फेडरेशन) के प्रबंध समिति सदस्यों ने थाईलैंड बोर्ड आफ इन्वेस्टमेंट एण्ड रॉयल थाई काउंसलेट की डायरेक्टर एवं काउंसल से व्यापार के विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की। दिनांक 28 फरवरी 2025 को फेडरेषन की प्रबंध समिति सदस्य श्री योगेष मेहता, श्री हिमांषु शाह, श्री अमित चावला, श्री अनिल जोषी एवं सचिव श्री प्रवीण आचार्य ने इंदौर के होटल रेडिसन में थाईलैंड बोर्ड आफ इन्वेस्टमेंट एण्ड रॉयल थाई काउंसलेट की डायरेक्टर एवं काउंसल डे छांतपेवतद ज्ञसंपामवू से भेंट कर द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों पर चर्चा की। इस दौरान थाई काउंसल ने बताया कि मध्यप्रदेष से थाईलैंड में निर्यात एवं आयात की असीम संभावनाऐं है। इसके लिये मध्यप्रदेष के उद्योगपतियों को थाईलैंड बोर्ड आफ इन्वेस्टमेंट एण्ड रॉयल थाई काउंसलेट हर संभव सहायता करेगा। इस बैठक में सुश्री पूजा मिमरोत, इंडिया कन्सल्टेंट, थाईलैंड बोर्ड आफ इन्वेस्टमेंट एण्ड रॉयल थाई काउंसलेट भी शामिल थी।

माह फरवरी 2025 में मारुति सुजुकी ने बनाई बढ़त, टाटा मोटर्स को नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। फरवरी 2025 में भारत के ऑटोमोबाइल उद्योग में बिक्री के मिश्रित रुझान देखे गए, कुछ निर्माताओं ने वृद्धि की सूचना दी जबकि अन्य को गिरावट का सामना करना पड़ा। मारुति सुजुकी ने सबसे ज्यादा बिकने वाले ब्रांड के रूप में अपनी स्थिति बरकरार रखी, जबकि महिंद्रा एंड महिंद्रा ने एसयूवी की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि देखी। इस बीच, टाटा मोटर्स और हुंडई ने अपनी संख्या में गिरावट दर्ज की। पिछले महीने प्रमुख कार निर्माताओं ने कैसा प्रदर्शन किया, इस पर एक विस्तृत नज़र डालें।मारुति सुजुकी इंडिया ने फरवरी 2025 के लिए कुल बिक्री में मामूली वृद्धि के साथ यात्री वाहन बाजार में दबदबा बनाए रखा।

ऑटोमेकर ने 1,99,400 इकाइयों की बिक्री की सूचना दी, जो पिछले साल इसी महीने में 1,97,471 इकाइयों से मामूली रूप से अधिक थी। घरेलू यात्री वाहन की बिक्री में पर्याप्त वृद्धि देखी गई, जो फरवरी 2024 में 1,68,544 इकाइयों की तुलना में 1,74,379 इकाई तक पहुंच गई। टाटा मोटर्स ने बिक्री में गिरावट का अनुभव किया, जिसमें इलेक्ट्रिक मॉडल सहित यात्री वाहन संख्या पिछले साल इसी महीने 51,321 इकाइयों से 9 प्रतिशत घटकर 46,811 इकाई रह गई। हुंडई मोटर इंडिया के आंकड़ों में भी मामूली गिरावट देखी गई। फरवरी में कंपनी के कुल वाहन डिस्पैच में सालाना आधार पर 3 प्रतिशत की गिरावट आई और यह पिछले साल की समान अवधि के 60,501 यूनिट से घटकर 58,727 यूनिट रह गया। घरेलू बिक्री में 5 प्रतिशत की गिरावट देखी गई, फरवरी 2024 में 50,201 यूनिट की तुलना में 47,727 यूनिट डिस्पैच की गई। हालांकि, निर्यात में मामूली वृद्धि देखी गई, जो एक साल पहले 10,300 यूनिट से बढ़कर 11,000 यूनिट हो गई। इसके विपरीत, महिंद्रा एंड महिंद्रा ने विशेष रूप से यूटिलिटी वाहन सेगमेंट में मजबूत वृद्धि दर्ज की।

ऑटोमेकर ने 50,420 यूनिट की घरेलू बिक्री दर्ज की, जो फरवरी 2024 में 42,401 यूनिट से 19 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। निर्यात संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो पिछले साल की समान अवधि के 1,539 यूनिट से लगभग दोगुनी होकर 3,061 यूनिट हो गई। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने साल-दर-साल 13 फीसदी की बिक्री वृद्धि के साथ अपने ऊपर की ओर प्रक्षेपवक्र जारी रखा, जो पिछले साल की समान अवधि में 25,220 इकाइयों की तुलना में फरवरी में 28,414 इकाई तक पहुंच गई। कंपनी ने अपने डीलरों को 26,414 इकाइयाँ भेजीं और 2,000 इकाइयाँ निर्यात कीं।

भारत में एंट्री को तैयार है टेस्ला मुंबई में खुलने जा रहा पहला शोरूम

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑटो डेस्क. अमेरिकी इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी टेस्ला ने भारत में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (क्च्यष्ट) में अपना पहला शोरूम खोलने के लिए करार किया है। यह शोरूम 4,000 वर्ग फुट क्षेत्र में फैला होगा, जहां कंपनी अपनी इलेक्ट्रिक कारों का प्रदर्शन करेगी। इस डील के तहत टेस्ला ने इस कमर्शियल स्पेस के लिए 900 रुपये प्रति वर्ग फुट के हिसाब से लीज तय की है, जिससे इसका मासिक किराया करीब 35 लाख रुपये होगा। टेस्ला ने इस लीज को 5 साल के लिए साइन किया है और साथ ही दिल्ली के एरोसिटी कॉम्प्लेक्स में भी जल्द अपना दूसरा शोरूम खोलने की योजना बना रही है। कुछ हफ्ते पहले टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने अमेरिका में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी, जिसके बाद टेस्ला की भारत में एंट्री को लेकर चर्चाएं तेज हो गईं। इसके बाद टेस्ला ने भारत में 13 नई नौकरियों की लिस्टिंग जारी की, जिससे इस बात की संभावना और बढ़ गई कि टेस्ला जल्द ही भारतीय बाजार में कदम रखेगी।

फरवरी 2025 में टेस्ला के द्वारा उठाए गए। इन बड़े कदमों से संकेत मिल रहे हैं कि टेस्ला आने वाले महीनों में भारत में अपनी कारों का आधिकारिक लॉन्च कर सकती है। इसके अलावा भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर भी कुछ स्पष्टता आ सकती है। भारत सरकार विदेशी कारों पर 110 प्रतिशत आयात शुल्क लगाती है, जो टेस्ला के लिए एक बड़ी चुनौती हो सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले भी इस मुद्दे को उठाया था और कहा था कि इतनी ऊंची टैक्स दरों के कारण टेस्ला को भारत में अपना प्लांट स्थापित करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

'शार्क टैंक इंडिया' में देखिये कॉगरैड के जुनून और नवाचार की कहानी

मुबई, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के एक छोटे से शहर में, जहां सड़कों के किनारे बंद पड़े स्कूलों की लंबी कतारें थीं, कुछ जुनूनी शिक्षकों ने एक अलग भविष्य की कल्पना की। उनका सपना था कि हर बच्चा, चाहे वह कहीं भी हो, अच्छी शिक्षा हासिल कर सके। इसी सोच से कॉगरैड की शुरुआत हुई। यह सिर्फ एक स्टार्टअप नहीं, बल्कि समाज में बदलाव लाने की एक कोशिश है, जिसे आईआईटी और एनआईटी के पूर्व छात्रों हिमांशु चौरसिया और सौरभ यादव ने मिलकर शुरू किया। आज कॉगरैड ग्रामीण भारत में पढ़ाई के तरीके को पूरी तरह बदल रहा है। वे बंद पड़े स्कूलों को किराए पर लेकर उन्हें आधुनिक लर्निंग सेंटर्स में बदल रहे हैं, जहां हर बच्चे को समान अवसर मिल रहे हैं। उनकी अनोखी सोच ने शार्क्स का ध्यान खींचा और उन्हें 1 करोड़ रुपये की डील मिली, जिससे उनका मिशन और आगे बढ़ेगा। हालांकि, अनुपम मित्तल और कुणाल शाह को लगा कि उन्हें एक समय में सिर्फ एक चीज़ पर ध्यान देना चाहिए।

लेकिन रितेश अग्रवाल, विनीता सिंह और नमिता थापर ने कॉगरैड के विज़न को समझा और डील में शामिल हो गए। यह डील 50 लाख रुपये के बदले 6त्न इक्विटी और 9त्न ब्याज दर पर 50 लाख रुपये के लोन के रूप में फाइनल हुई।

क्या न्यूजीलैंड के खिलाफ विराट कोहली तोड़ पाएंगे ये 5 बड़े रिकार्ड्स?

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या विराट कोहली न्यूजीलैंड के खिलाफ इन 5 रिकॉर्ड्स को तोड़कर इतिहास रचेंगे? 300वें वनडे मैच में उनके पास हैं बड़े रिकॉर्ड बनाने का मौका, जिसमें रन, कैच और चैंपियंस ट्रॉफी के रिकॉर्ड शामिल हैं। जानिए कौन से अहम रिकॉर्ड हैं जिनके बारे में चर्चा हो रही है। ICC चैंपियंस ट्रॉफी 2025 सीरीज में कल यानी रविवार को भारत और न्यूजीलैंड की भिड़ंत होगी। दोनों टीमों के बीच यह मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 2-30 बजे दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में शुरू होगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ इस मैच में सभी की निगाहें विराट कोहली पर होंगी। क्योंकि पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में विराट कोहली ने अंत तक खेल कर नाबाद 100 रन बनाए थे। उम्मीद है कि विराट कोहली इस मैच में भी अपना यही फॉर्म जारी रखेंगे।

साथ ही अगर विराट कोहली इस मैच में अच्छा खेलते हैं तो उनके पास 5 बड़े रिकॉर्ड बनाने का मौका है। क्योंकि न्यूजीलैंड के खिलाफ यह लीग मैच विराट कोहली का 300वां वनडे अंतरराष्ट्रीय मैच होगा। विराट कोहली ने अब तक वनडे क्रिकेट में 51 शतक बनाए हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने कुल 82 शतक भी पूरे कर लिए हैं। आइए नजर डालते हैं कि न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में विराट कोहली क्या उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं।

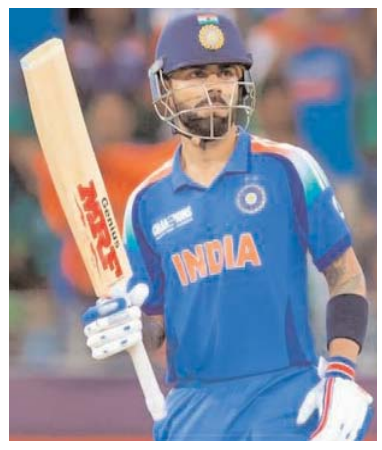

दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

विराट कोहली ने अब तक 299 वनडे मैचों में 14085 रन बनाए हैं। अगर विराट कोहली रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ 150 रन बना लेते हैं, तो वह वनडे में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले पूर्व श्रीलंकाई बल्लेबाज कुमार संगकारा के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देंगे। इसके साथ ही विराट कोहली वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन जाएंगे। कुमार संगकारा ने श्रीलंका के लिए एकदिवसीय मैचों में 14,234 रन बनाए हैं। एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में किसी भारतीय द्वारा सर्वाधिक कैच लेने का रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम है। कुछ दिनों पहले विराट कोहली ने अजहरुद्दीन के 156 कैच का रिकॉर्ड तोड़ा था। विराट कोहली अगर न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में 3 कैच ले लेते हैं, तो वह वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में रिकी पोंटिंग के 160 कैच के रिकॉर्ड को तोड़ देंगे। इसके साथ ही विराट कोहली वनडे में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले दूसरे फील्डर बन जाएंगे। पूर्व श्रीलंकाई बल्लेबाज महिला जयवर्धने ने वनडे में 218 कैच लपके हैं। विराट कोहली ने अब तक चैंपियंस ट्रॉफी में 15 मैच खेले हैं और 651 रन बनाए हैं। विराट कोहली अगर न्यूजीलैंड के खिलाफ 51 रन और बना लेते हैं तो वह शिखर धवन का रिकॉर्ड तोड़ देंगे। विराट कोहली चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। शिखर धवन ने भारतीय टीम के लिए 10 चैंपियंस ट्रॉफी मैच खेले हैं और 701 रन बनाए हैं।विराट कोहली अगर न्यूजीलैंड के खिलाफ 142 रन बना लेते हैं तो वह वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ देंगे और चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। चार चैंपियंस ट्रॉफी सीरीज में खेल चुके क्रिस गेल ने वेस्टइंडीज टीम के लिए कुल 17 मैच खेले हैं और 791 रन बनाए हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक

कोहली ने अब तक न्यूजीलैंड के खिलाफ 31 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने छह शतक लगाए हैं। विराट कोहली अगर रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक लगाते हैं तो वह वनडे में न्यूजीलैंड के खिलाफ 7 शतक लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। विराट कोहली वर्तमान में न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे अधिक वनडे शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में वीरेंद्र सहवाग और रिकी पोंटिंग के साथ बराबरी पर हैं।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने बैंकिंग जगत के पहले मर्चेंट लॉयल्टी/कैशबैक प्रोग्राम की शुरुआत

मुबई। ऑफ़ बड़ौदा ने भारतीय रिजर्व बैंक के मार्गदर्शन में आज व्यापारियों के लिए सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी की प्रोग्रामेबिलिटी प्रणाली पर आधारित मर्चेंट लॉयल्टी/कैशबैक प्रोग्राम की पायलट आधार पर शुरुआत किए जाने की घोषणा की। बैंकिंग उद्योग में यह पहली ऐसी महत्वपूर्ण पहल है, जो छोटे और मझौले व्यापारियों को एक फिनटेक कंपनी के सहयोग से स्वतंत्र रूप से अपने ग्राहकों के लिए लॉयल्टी/कैशबैक प्रोग्राम तैयार और आरंभ करने की सुविधा प्रदान करता है। आमतौर पर इस तरह के प्रोग्राम बड़े ब्रांड्स द्वारा पेश किए जाते हैं। अब स्थानीय किराना दुकानें, मेडिकल स्टोर्स, रिटेल शॉप्स आदि जिनका खाता बैंक ऑफ़ बड़ौदा में है वे बिना किसी अतिरिक्त निवेश के खुद का कैशबैक/लॉयल्टी प्रोग्राम डिजाइन और संचालित कर सकते हैं।

निगम सभाकक्ष में आयोजित हुई योजनाओं की कार्यशाला

छिंदवाडा। नगर निगम सभाकक्ष में शनिवार को विभिन्न पदों से अवर सचिव पद में पदोन्नति हेतु अधिकारियों की प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में केंद्रीय सचिवालय, रेलवे बोर्ड सचिवालय एवं अनुभागीय अधिकारियों ने शिरकत की। इस कार्यशाला में निगम के विभिन्न शाखा प्रभारियों ने अपने अपने विभाग की योजनाओं की विस्तृत जानकारी साझा की। इस दौरान मुख्य रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना, अमृत योजना, मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना संबल एवं भवन संनिर्माण कर्मकार मंडल योजना की जानकारी दी गई। कार्यशाला में नगर निगम महापौर विक्रम अहके, नगर निगम आयुक्त चंद्रप्रकाश राय सहित उपयंत्री एवं विभिन्न शाखा के शाखा प्रभारी उपस्थित रहे।

जिलाध्यक्ष द्वारा पूर्व मंत्री से उनके निवास रोहना पहुंचकर सौजन्य भेंट

छिंदवाड़ा। भाजपा के शुभंकर जिलाध्यक्ष शेषराव यादव द्वारा पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना से उनके निवास रोहना पहुंचकर सौजन्य भेंट की, आजीवन सहयोग निधि प्राप्त की एवं संगठनात्मक विषय पर चर्चा की। मुलाकात के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव के साथ वरिष्ठ भाजपा नेता विजय पांडे, संजय पटेल, धर्मेंद्र मिगलानी, अजय सक्सेना, अनीश पटेल एवं विजेंद्र चौहान उपस्थिति रहे।

सरकार के संरक्षण में हर्रई में पनप रहा गुंडाराज: धीरनशाह

कांग्रेस आदिवासी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष पर किया जानलेवा हमला

छिन्दवाड़ा। भाजपा की चाल व चरित्र अपराध व रेत माफियाओं को संरक्षण देने वाला है। हर्रई में रेत माफियाओं व सत्ता से जुड़े लोगों के इशारों पर पुलिस अपराधियों और प्रशासन भू माफियाओं को संरक्षण देकर शांतिप्रिय आदिवासी अंचल हर्रई की फिजा बिगाड़ी जा रही है जिसे कांग्रेस कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। उक्त उदगार आज कांग्रेस नेता धीरनशाह इनवाती ने जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से व्यक्त किए।

गोपाल शर्मा चमत्कारिक हनुमान मंदिर जाम सावली ट्रस्ट के अध्यक्ष बने

सौसर। लंबी प्रतीक्षा के प्रश्चात क्षेत्र के प्रमुख चमत्कारिक हनुमान मंदिर जाम सावली ट्रस्ट का विधिवत गठन होकर कार्यकारिणी का चुनाव संपन्न हुआ चुनाव अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी सिद्धार्थ पटेल की उपस्थिति में संपन्न चुनाव में क्षेत्र के प्रगतिशील युवा उद्योगपति गोपाल शर्मा को अध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध मनोनीत किया गया आज के बैठक में हनुमान मंदिर ट्रस्ट की पुरानी समिति के साथ 14 नए सदस्यों को भी विधिवत कलेक्टर द्वारा स्वीकृति दी गई गोपाल शर्मा भी इन 14 सदस्यों में से एक है क्षेत्र की जनता की उम्मीद है कि गोपाल शर्मा के नेतृत्व में हनुमान मंदिर के भवन की अब प्रगति की शुरुआत हो सकेगी। कार्यकारिणी के अन्य पदाधिकारी में संतोष डवरे उपाध्यक्ष, टीकाराम करोकार सचिव, एडवोकेट एम.एन. खंडाईत सहसचिव, संजू डवरे कोषाध्यक्ष,मनोहर सेलकी सह कोषाध्यक्ष, कार्यकारी सदस्यों में पांडुरंग बोबडे, नितिन मोहगांवकर, संदीप मोहोड, शिशिर खंडार एवं अजय धवले निर्विरोध चुने गए।

अपेरल डिजाइन सेंटर में लोक अदालत का किया प्रचार

छिंदवाड़ा। 8 मार्च को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष सुशांत हुद्दार के निर्देशन एवं विधिक सहायता अधिकारी विजय खोब्रागडे ,के मार्गदर्शन में लोक अदालत का प्रचार छिंदवाड़ा स्थित अपेरल डिजाईन सेंटर,मे किया गया। इस अवसर पर विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य श्यामल राव ने उपस्थित छात्रो को बताया की जरूरतमंद लोगों को विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं की जानकारी के साथ 8 मार्च 2024 को आयोजित नेशनल लोक अदालत मे विभिन्न विभागों एवं अन्य मामलो मे समझौता योग्य आपराधिक,चौक बाउंस, बैंक रिकवरी केसेस,मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा, श्रम विवाद, विद्युत एवं वाटर बिल, पारिवारिक विवाद, भूमि अधिग्रहण मामले,सर्विस मैटर, राजस्व प्रकरण, प्री लिटिगेशन मामले संबंधी विवादों का निराकरण आपसी राजीनामा के आधार पर किया जाता है वही न्यायालय मे चल रहे मामलो का शुलभ निराकरण व समझोता योग्य मामलो का सुलभ निपटान कराने की अपील छात्रो से की हे । ओर कहा की आप अपने अपने क्षेत्रों मे लोक अदालत का प्रचार प्रसार करने एवं घर घर दस्तक देकर पारिवारिक विवाद के मामलो को चिन्हित कर आगामी आयोजित लोक अदालत मे निराकरण करवाने प्रेरित करे।

आदिवासी बालक छात्रावास सोनपुर में पदस्थ एक प्राथमिक शिक्षक निलंबित

छिन्दवाड़ा। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री सतेन्द्र सिंह मरकाम द्वारा विकासखंड हर्रई के आदिवासी बालक छात्रावास सोनपुर में निवासरत छात्र की मृत्यु के कारण छात्रावास अधीक्षक श्रीमती सविता तिवारी (मूल पद-प्राथमिक शिक्षक) आदिवासी बालक छात्रावास सोनपुर को लगाये गये आरोप का समाधानकारक उत्तर नहीं देने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाकर निलंबन अवधि को मात्र पेंशन की गणना के लिए मान्य किया गया है। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री मरकाम ने बताया कि विकासखंड हर्रई के आदिवासी बालक छात्रावास सोनपुर में निवासरत छात्र की मृत्यु के कारण छात्रावास अधीक्षक श्रीमती सविता तिवारी (मूल पद-प्राथमिक शिक्षक) आदिवासी बालक छात्रावास सोनपुर को कार्यालयीन आदेश 23 सितंबर 2023 द्वारा निलंबित किया जाकर कार्यालयीन पत्र 30 अक्टूबर 2023 एवं पत्र 04 दिसंबर 2023 द्वारा आरोप पत्र/अतिरिक्त आरोप आदि जारी कर स्पष्टीकरण चाहा गया।

किसानों के लिए बड़ी राहत, अनाज को स्टोर करने के लिए सरकार देगी लाखों की सब्सिडी

गुजरात सरकार ने किसानों के लिए एक बड़ी राहत देने वाली योजना शुरू की है। मुख्यमंत्री फसल भंडारण संरचना योजना के तहत, किसानों को अपनी फसलों के सुरक्षित भंडारण के लिए सब्सिडी दी जाती है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान से बचने का मौका मिलता है।

किसानों को अक्सर अपनी फसल को कम कीमत पर बेचने की स्थिति का सामना करना पड़ता है क्योंकि उनके पास भंडारण की सुविधा नहीं होती। मुख्यमंत्री फसल भंडारण संरचना योजना किसानों को इस समस्या से निजात दिलाने के लिए है। इस योजना के जरिए, किसान अपनी उपज को सुरक्षित रखने के लिए गोदाम और अन्य भंडारण इकाइयाँ बना सकते हैं, जिससे वे फसल के मूल्य में उतार-चढ़ाव से बच सकेंगे।

मुख्यमंत्री फसल भंडारण संरचना योजना का उद्देश्य किसानों को उनके खेतों में फसल भंडारण की सुविधाएं मुहैया कराना है। इस योजना के तहत, किसानों को अपनी फसलों के सुरक्षित भंडारण के लिए अनाज गोदाम, साइलो, और भंडारण इकाइयाँ बनाने में सरकार की ओर से वित्तीय सहायता प्राप्त होती है। इससे किसानों को अपनी फसल लंबी अवधि तक सुरक्षित रखने का मौका मिलता है, जिससे उन्हें अच्छे मूल्य पर बेचने का अवसर मिलता है।

कैसे होती है किसानों को सहायता?

किसानों के लिए बड़ी राहत, अनाज को स्टोर करने के लिए सरकार देगी लाखों रूपए सब्सिडी, जानें कैसे करे आवेदन?

इस योजना के तहत, किसानों को भंडारण संरचनाओं के निर्माण पर सरकार से सब्सिडी मिलती है। पहले किसानों को कुल लागत का 50त्न या 75,000 रुपये तक की सहायता मिलती थी, लेकिन अब यह राशि बढ़ाकर 1 लाख रुपये कर दी गई है। इससे किसानों को ज्यादा आर्थिक सहायता प्राप्त होगी, जिससे वे अपने खेतों में भंडारण संरचनाओं का निर्माण कर पाएंगे।

इस योजना का लाभ कैसे उठाएं?

मुख्यमंत्री फसल भंडारण संरचना योजना का लाभ लेने के लिए किसान को कम से कम 330 वर्ग फीट का भंडारण ढांचा बनाना होगा। इसके लिए राज्य सरकार किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। योजना के तहत, किसानों को कुल लागत का 50 प्रतिशत या 1 लाख रुपये (जो भी कम हो) तक की सहायता मिलती है।

मनावर क्षेत्र से अपहृत 31 बालिकाओं को खोज निकाला पुलिस को बड़ी सफलता

धार। पिछले दो माह में मनावर पुलिस ने कुल 20 प्रकरणों में अपहृत की गई 21 बालिकाओं को अपहरणकर्ताओं के चंगुल से मुक्त कराया गया। इसमें 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत 10 प्रकरणों में 10 अपहृत बालिकाओं को खोज निकाला।

यह जानकारी देते हुए एसडीओपी अनु बेनीवाल (आईपीएस) ने बताया कि 1 जनवरी से 25 फरवरी 2025 तक पुलिस ने बालिकाओं के अलावा जो 6 आरोपी फरार थे, जिन पर 21 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। ऐसे आरोपियों को भी गिरफ्तार करने में पुलिस को बड़ी सफलता मिली। एसडीओपी बेनीवाल? ने बताया कि तीन हजार रुपए घोषित इनाम वाला ग्राम देदला का सुनिल चर्मकार, ग्राम बियाबानी का मिथुन सुखलाल, ग्राम राजूखेड़ी का फतेसिंह पिता झामरिया दोनों पर भी तीन-तीन हजार रुपए का इनाम घोषित था, टांडा थाने के ग्राम सिंगाचोरी का कुरखा उर्फ समरसिंह पलासिया पर पांच तथा दो हजार का इनाम था। इसी प्रकार बाकानेर के गुरजीत सिकलीगर पर भी पांच हजार का ईनाम घोषित था।

एसडीओपी ने बताया कि अपराध करने के बाद ये सभी फरार थे, लेकिन पुलिस ने बड़ी मशक्कत के बाद इन्हें ढूंढ निकाला और गिरफ्तार किया है। जानकारी देने में एसडीओपी के साथ मनावर थाना प्रभारी ईश्वर सिंह चौहान भी उपस्थित थे।

छिंदवाड़ा कलेक्टर शीलेंद्र सिंह का एक और नवाचार वीडियोग्राफरों को दिए जीवन में आगे बढने के टिप्स

छिंदवाड़ा। नवाचारों के लिए पूरे प्रदेश में अलग पहचान रखने वाले छिंदवाड़ा कलेक्टर शीलेंद्र सिंह ने शनिवार को एक और नवाचार किया। उन्होंने मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा विकसित किए गए पर्यटन ग्रामों, वहां बने होम स्टे और छिंदवाड़ा के पर्यटन स्थलों का प्रचार-प्रसार करने के लिए वीडियोग्राफरों के साथ मीटिंग की। साथ ही युवा वीडियोग्राफरों को जीवन में आगे बढने के लिए महत्वपूर्ण टिप्स दिए। शिक्षाप्रद किस्से सुनाते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने युवा वीडियोग्राफरों का हौसला बढ़ाया। कलेक्ट्रेट के मिनी सभाकक्ष में टूरिज्म प्रमोशन के लिए हुई मीटिंग में जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के नोडल अधिकारी बलराम राजपूत, पर्यटक प्रबंधक गिरीश लालवानी उपस्थित थे।

कलेक्टर शीलेंद्र सिंह ने युवा फोटो व वीडियो ग्राफरों से कहा कि जिले में तामिया-पातलकोट, देवगढ़ के साथ कई प्राकृतिक स्थान हैं, जहां पर शानदार तरीके से प्रीवेडिंग शूट हो सकता है। सांगाखेड़ा की पहाडियों व चिलख की अतिसुंदर घाटियों को जिक्र करते हुए श्री सिंह ने कहा कि इन स्थानों के साथ टूरिज्म बोर्ड द्वारा विकसित किए गए होम स्टे में भी शूट किया जा सकता है। इन स्थानों की विजिट करने का सुझाव उन्होंने दिया।

चीड़ पाइंट, सप्तधारा व झिंगरिया में मिलेगी सशर्त अनुमति युवा फोटो व वीडियो ग्राफरों ने कलेक्टर शीलेंद्र सिंह को बताया कि चीड़ पाइंट, सप्तधारा व झिंगरिया में फोटो शूट के लिए कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस पर कलेक्टर श्री सिंह ने इन स्थानों पर स्वच्छता रखने व सुरक्षित तरीके से फोटो शूट करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि प्रीवेडिंग शूट के लिए वन विभाग के माध्यम से सशर्त अनुमति दिलवाई जाएगी।

सरकार पर भुगतान के लिए दबाव बनाने कंपनी ने मजदूरों का भुगतान रोका

आश्वासन के बाद सिम्स बिल्डिंग निर्माण में लगे मजदूरों ने हड़ताल समाप्त की

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (सिम्स)बिल्डिंग का निर्माण में लगे मजदूरों ने हड़ताल समाप्त कर दी है पीआईयू के एसडीओ श्री श्रीवास्तव ने बताया कि कंपनी ने मजदूरों का भुगतान का आश्वासन दिया है जिसके चलते मजदूरों ने हड़ताल समाप्त कर दी है उनका कहना है कि कंपनी को रेगुलर भुगतान किया जा रहा है फिर भी कंपनी ने विभाग और सरकार पर और पेमेंट के भुगतान के लिए मजदूरों का भुगतान न कर उन्हें हड़ताल करने पर मजबूर किया गया ताकि कंपनी को और भुगतान किया जा सके। कंपनी ने मजदूरों को चार माह से भुगतान नहीं किया है और तारीख पर तारीख दी जा रही थी। प्रत्येक मजदूरों को काम करने के लिए बाहर से 500 रूपए से अधिक प्रतिदिन पेमेंट पर लाया गया है। और करीब 1400 मरीज बिल्डिंग निर्माण में लगे हुए हैं। जो प्रदेश के दूसरे राज्यों से भी हैं। एसडीओ ने बताया कि कंपनी को नियम के तहत एडवांस में 1600 से अधिक करोड़ रूपए भुगतान भी किया गया है। रनिंग बिल के भुगतान हो रहे हैं। और आखिरी रनिंग बिल का भुगतान ही शेष है जो प्रक्रिया में हैं फिर कंपनी ने भोपाल में दबाव बनाने का प्रयास किया लेकिन उसमें सफल नहीं हो पाए। कंपनी ने मजदूरों को भुगतान का आश्वासन दिया है मजदूरों ने कहा कि यदि समय पर भुगतान नहीं किया गया तो वे फिर हड़ताल पर चले जाएंगे।

इस साल तक बन कर तैयार हो जाएगा सिम्स विभाग के एसडीओ श्रीवास्तव ने बताया कि सिम्स का काम तेजी से चल रहा है इस के अंत तक दिसंबर या फिर जनवरी 2026 में सिम्स की बिल्डिंग का निर्माण पूरा हो जाएगा। बहरहाल सिम्स हास्पिटल प्रारंभ होने से लोगों को अच्छे इलाज की सुविधा यहीं उपलब्ध होने लगेगी और उन्हें अन्य शहरों की ओर रूख करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

ट्रांस्को के कार्मिकों ने सीखीं जीवन रक्षक तकनीक

छिन्दवाड़ा। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी.ट्रांसको) एवं रेड क्रॉस सोसायटी व स्थानीय जिला चिकित्सालयों, मेडिकल कॉलेज के सहयोग से मध्यप्रदेश में एम.पी. ट्रांसको के जिला मुख्यालयों में स्थित ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस उपसंभागों, सबस्टेशनों आदि में ''सी.पी.आर. एवं अन्य ऐसे ही जीवन रक्षक तकनीकों'' पर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित किये जा रहें है। इसी क्रम में एक प्रशिक्षण कार्यशाला एम.पी. ट्रांसको एवं छिंदवाडा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सांइस के संयुक्त तत्वावधान में छिंदवाडा में आयोजित की गई। चंदनगांव छिंदवाडा स्थित एम.पी. ट्रांस्को के कार्यालय में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यशाला के संयोजक छिंदवाडा के कार्यपालन अभियंता श्री दीपक पारधी द्वारा कार्यक्रम के उद्देश्य एवं विषय की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए इस प्रशिक्षण पर प्रबंध संचालक इंजीनियर श्री सुनील तिवारी कि मंशानुसार ''ट्रांस्को के प्रशिक्षित व्यक्तियों में से अपने जीवन काल में यदि कोई कर्मी किसी एक भी व्यक्ति की जान बचाने में सफल होता है, तो कंपनी के लिये प्रशिक्षण का यह उद्देश्य पूर्णतः सफल होगा'' से अवगत कराया। इस उपयोगी कार्यशाला में कंपनी के परीक्षण संभाग छिंदवाडा एवं अति उच्चदाब संधारण उपसंभाग छिंदवाडा के सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को छिंदवाडा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सांइस के डॉ.अश्विनी पटेल एवं डॉ.उमेश शिवहरे द्वारा व्यवहारिक और उपयोगी प्रशिक्षण दिया गया।

एक और अवैध कॉलोनी पर हुई एफआईआर दर्ज

छिंदवाड़ा। जिला कलेक्टर शीलेंद्र सिंह एवं निगमायुक्त सीपी राय के आदेश पर आज एक और अवैध कॉलोनी पर एफआईआर दर्ज कराई गई। यह एफआईआर के अनुसार नीरज कुमार रधुवंशी पिता बलवान सिंह रघुवंशी निवासी वार्ड क्र 10 किडजी स्कूल के पास छिन्दवाडा (म.प्र.) द्वारा नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्रान्तर्गत मौजा इमलिया बोहता स्थित भूमि खसरा नं. 136/18/2/1/1/1/1/1 / का कुल रकबा 0.580 हे0 भूमि पर बिना विकास की अनुमति लिये प्रशनाधीन भूमि को भूखण्डो मे उपविभाजित कर अनाधिकृत कालोनी का निर्माण कर लिया गया। विभिन्न स्तरों की जांच होने के बाद उक्त लोगों के द्वारा समाधानपूर्वक उत्तर नहीं देने के उपरांत नगर निगम आयुक्त श्री चंद्रप्रकाश राय द्वारा उक्त कालोनी को अवैध कॉलोनी घोषित कर दिया गया था।

तीन इंजन की सरकार में पूरी रफ्तार से फैल रहा अपराध, भ्रष्टाचार व बेरोजगारी: नकुलनाथ

हर्रई में सम्पन्न हुआ कांग्रेस का विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन

छिन्दवाड़ा। मुझे आज भी सन 1980 के दिन याद है, जब हम कच्ची सड़कों से होकर हर्रई से नरसिंहपुर जाते थे, पता नहीं चलता था कब हर्रई आया और कब चला गया। चु निंदा घरों में बिजली थी, तब मैंने विद्युतीकरण के लिए अभियान चलाया और दूरस्थ वन क्षेत्र में बसे वनग्रामों तक बिजली आपूर्ति कराई। खेतों में सिंचाई के लिए पानी नहीं हुआ करता था। तालाबों का निर्माण प्रारंभ कराया ताकि किसान अपने खेतों से फसलों की अच्छी पैदावार ले सकें। क्योंकि किसान के पास पैसा होगा तभी नगर व शहर का बाजार व गांव की दुकान चलती है। आज परिणाम आप सभी के सामने है हर्रई शहर किसी पर निर्भर नहीं है। उक्त उदगार आज हर्रई में में आयोजित कांग्रेस के विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने व्यक्त किए। आयोजित कार्यक्रम को प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष गंगाप्रसाद तिवारी, धीरनशाह इनवाती सहित अन्य वक्ताओं ने सभी सम्बोधित किया। आयोजित कार्यक्रम में अमरवाड़ा विधानसभा प्रभारी अजय मैद, अशोक तिवारी, कांग्रेस आदिवासी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष रामनारायण परतेती सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी, कार्यकर्ता व आमजन उपस्थित रहे।

कमलनाथ व नकुलनाथ के अथक प्रयासों से युवाओं को मिला रोजगार

छिन्दवाड़ा। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री माननीय कमलनाथ जी एवं जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ के अथक प्रयासों से जिले के युवा लगातार रोजगार से जुड़ रहे हैं। नेताद्वय के प्रयासों से संचालित उच्च व तकनीकी शिक्षण संस्थानों से प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को निरंतर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे। इसी कड़ी में माननीय कमलनाथ व नकुलनाथ ने निज निवास शिकारपुर कमलकुंज से चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

बाबा महाकाल की नगरी में होगा वन्यजीवों का नया संसार, आकार लेगा चिड़ियाघर

उज्जैन। धर्म और अध्यात्म की नगरी उज्जैन में अब वन्यजीवों का भी संसार होगा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के गृह नगर उज्जैन में चिड़ियाघर (जू) बनाया जाएगा। यह सूबे का पांचवां चिड़ियाघर होगा। 150 हेक्टेयर क्षेत्र में इसका निर्माण होगा। यहां रेस्क्यू सेंटर के साथ सफारी भी होगी। वन विभाग ने उज्जैन-मक्सी रोड पर नौलक्खी क्षेत्र में इस चिड़ियाघर के लिए जमीन चुन ली है। पहले यहां ईको-टूरिज्म पार्क विकसित किया गया था, जिसे अब चिड़ियाघर के रूप में विस्तारित किया जाएगा।

जानकारी के मुताबिक, जू के लिए अभी विस्तृत सर्वे किया जा रहा है। वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के विशेषज्ञ यहां की भौगोलिक स्थिति, जल प्रवाह और अन्य तकनीकी पहलुओं को जांच रहे हैं। इस प्रोजेक्ट में वही विशेषज्ञ शामिल किए गए हैं, जिन्होंने मुकुंदपुर चिड़ियाघर का निर्माण किया था। उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट यानी ष्ठक्कतैयार कर सेंट्रल जू अथॉरिटी (सीजेडए) को भेजी जाएगी।

वन्य जीव संरक्षण नियमों के तहत जानवरों की खरीद-फरोख्त नहीं की जा सकती, इसलिए चिड़ियाघर में अन्य राज्यों के चिड़ियाघरों से दान स्वरूप (डोनेशन) में जानवर लाए जाएंगे। इसके अलावा, इस चिड़ियाघर में विदेशी प्रजातियों के जीव भी होंगे, जिससे पर्यटकों को शानदार अनुभव मिलेगा। यह चिड़ियाघर वन्यजीव प्रेमियों और पर्यावरणविदों के लिए नई पहचान स्थापित करेगा।

इस चिड़ियाघर में पारंपरिक पिंजरों के साथ विशेष सफारी रूट भी विकसित किए जाएंगे, जिससे पर्यटक खुली जीप में बैठकर वन्यजीवों को प्राकृतिक वातावरण में देख सकेंगे। यह मॉडल मुकुंदपुर सफारी की तर्ज पर विकसित किया जाएगा, जहां पहले से ही सफेद बाघों की सफारी चलाई जा रही है। अफसरों के अनुसार, अगले एक महीने में सर्वे पूरा होने की उम्मीद है। इसके बाद निर्माण शुरू किया जाएगा।

इधर, वन विभाग जबलपुर में भी चिड़ियाघर बनाने की दिशा में काम कर रहा है। पहले भेड़ाघाट के पास खैरी में जगह चुनी गई थी, लेकिन वहां निर्माण नहीं हो सका। अब मदन महल पहाड़ी के पास नई जगह देखी गई है। माना जा रहा है कि इसके पॉजिटिव रिल्ट सामने आएंगे। यदि जबलपुर में भी जू बना तो यह प्रदेश का छठवां चिड़ियाघर होगा।

कारोबार और रोजगार के बढ़ेंगे मौके

अभी मध्यप्रदेश में वन विहार राष्ट्रीय उद्यान (भोपाल), मुकुंदपुर सफारी (रीवा), इंदौर चिड़ियाघर और ग्वालियर चिड़ियाघर है। उज्जैन में चिड़ियाघर बनने से बाबा महाकाल के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालु और सैलानी वन्यजीवों को भी देख सकेंगे। इससे स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

सफेद बाघों का कुनबा बढ़ने का अनुमान

गौरतलब है कि मध्यप्रदेश टाइगर स्टेट, लेपर्ड स्टेट और चीता स्टेट के रूप में पहचाना जाता है। इसी कड़ी में अब रीवा जिले के गोविंदगढ़ में व्हाइट टाइगर ब्रीडिंग सेंटर बनाने का निर्णय लिया गया है। मुकुंदपुर स्थित महाराजा मार्तंड सिंह जूदेव व्हाइट टाइगर सफारी और चिड़ियाघर के संशोधित मास्टर प्लान के तहत गोविंदगढ़ में सेटेलाइट फैसिलिटी के रूप में व्हाइट टाइगर ब्रीडिंग सेंटर की स्थापना का प्रस्ताव रखा गया था। इस प्रस्ताव को केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण की विशेषज्ञ समिति ने तकनीकी समिति की अनुशंसा पर मंजूरी दे दी है।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मध्यप्रदेश सरकार ने किसानों को दी बड़ी सौगात

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

किसान आभार सम्मेलन

गरिमामयी उपस्थिति

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री

गेहूं उपार्जन पर
₹175 प्रति क्विंटल
बोनस देगी प्रदेश सरकार

गेहूं खरीदी मूल्य
₹2600
प्रति क्विंटल निर्धारित

खरीफ 2024 के धान उपार्जन पर
₹4000 प्रति हेक्टेयर
दी जायेगी प्रोत्साहन राशि

अन्नदाता की खुशहाली के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान देता मध्यप्रदेश

2 मार्च 2025 I दोपहर 12:00 बजे
मुख्यमंत्री निवास, भोपाल

31 मार्च 2025 तक
गेहूं उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन

15 मार्च से 5 मई 2025 तक
प्रदेश स्तरीय गेहूं उपार्जन

D-11205/24

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP